दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-15 अंक-356 | भोपाल,सोमवार 23 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

शाह बोले- बारिश में भी नक्सलियों को सोने नहीं देंगे

चर्चा की जरूरत नहीं, चलता रहेगा ऑपरेशन ; रायपुर में NFSU कैंपस का किया शिलान्यास

नई दिल्ली,एजेंसी।

नवा रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एनएफएसयू के रायपुर कैंपस का शिलान्यास किया। नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी कैंपस के अलावा हाईटेक फोरेंसिक लैब का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने फिर नक्सलियों को कड़ी चेतावनी दी।

शाह ने कहा कि, अब बारिश में भी नक्सलियों को चैन की नींद नहीं सोने देंगे। चर्चा की कोई जरूरत नहीं है, नक्सली अपने हथियार डाल दें। इसके अलावा शाह ने एनएफएसयू को लेकर कहा कि, यहां से ग्रेजुएट/ पोस्ट ग्रेजुएट होने का मतलब नौकरी की गारंटी पक्की।

शिलान्यास कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री शाह नवा रायपुर स्थित होटल रिसॉर्ट में छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्य ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश के DGP और ADGP रैंक के अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंधित उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। इसके बाद 6.30 से 8.00 बजे तक नक्सल ऑपरेशन पर विशेष समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में नक्सल ऑपरेशनों की वर्तमान स्थिति, अंतरराज्यीय समन्वय, खुफिया तंत्र की मजबूती, और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर चर्चा हो सकती है।

क्या है एनएफएसयू

जिस यूनिवर्सिटी कैम्पस का शिलान्यास शाह ने किया, इसे भारत सरकार गुजरात में चलाती है। ये एक विश्वविद्यालय है जो फोरेंसिक विज्ञान, खोजी विज्ञान और अपराध विज्ञान में विशेषज्ञता (एक्सपर्ट) का कोर्स करवाता है। नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना 2009 में हुई थी। यहां से पढ़कर स्टूडेंट फोरेंसिक वैज्ञानिक, फोरेंसिक विश्लेषक, फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक बनकर अपना करियर संवार पाएंगे। अमित शाह रायपुर में सेंट्रल फोरेंसिक लैब का भी भूमिपूजन करेंगे। ये छत्तीसगढ़ की अपने सबसे हाईटेक फोरेंसिक लैब होगी। एनएफएसयू की स्थापना से क्या-क्या फायदे ? एनएफएसयू की स्थापना से लंबित प्रकरणों की संख्या में कमी आएगी। जिन जांचों के लिए अभी दूसरे राज्यों के विशेषज्ञों पर निर्भर हैं, उस तरह के प्रोफेशनल अब प्रदेश में तैयार होने लगेंगे।

2026 तक करेंगे नक्सलवाद का खात्मा : 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने की बात अमित शाह ने रायपुर में बीते साल मीटिंग में कही थी। इस टारगेट को पूरा होने में करीब 1 साल से कम का समय बच हुआ है। साय सरकार बनने के बाद 350 से ज्यादा नक्सलियों का एनकाउंटर हुआ।

कश्मीर में वंदे भारत जुलाई तक फुल

श्रीनगर, एजेंसी

कटरा से श्रीनगर के बीच शुरू वंदे भारत को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। सात जून को शुरू दो जोड़ी ट्रेनें 25 जुलाई तक लगभग फुल हैं। अब हर दिन बुकिंग की मांग और बढ़ रही है। IRCTC के रिजर्वेशन पोर्टल पर 25 जुलाई से पहले इनमें लंबी वेटिंग या नो रूम है। इसके बाद सीटें खाली हैं, हालांकि तेजी से रिजर्वेशन हो रहे हैं। दरअसल, इन ट्रेनों ने घाटी में आवागमन का नया विकल्प दिया है, जिससे पर्यटकों और व्यापारियों को राहत मिली है। विमान से किराया कम होने से बड़ी संख्या में पर्यटक ट्रेन से जाना पसंद कर रहे हैं।

जल संचयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन जिलों को मिलेगा सम्मान

जल ही है हमारे समृद्ध भविष्य का मूल आधारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मेट्रो खबर,भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल हमारे सुनहरे और समृद्ध भविष्य का मूल आधार है। जल सहेजकर ही हम अपने अस्तित्व और अपनी भावी पीढ़ी का भविष्य संवार सकते हैं। समाज और सरकार की साझेदारी और सबके सक्रिय सहयोग से ही जल गंगा संवर्धन अभियान एक जन आंदोलन बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिवस मुख्यमंत्री निवास में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश में जल संरक्षण को लेकर हो रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए कहा कि जल संचयन और इसके संवर्धन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों की ग्रेडिंग की जाएगी और प्रदर्शन के आधार पर प्रथम तीन जिलों के नाम घोषित कर इन्हें सम्मानित किया जाएगा।

प्रथम तीन जिलों के नामों की घोषणा 30 जून को खण्डवा में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह एवं वाटरशेड सम्मेलन में की जाएगी। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, स्थानीय सांसद, स्थानीय विधायकगण सहित केन्द्र सरकार के आमंत्रित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में मां नर्मदा परिक्रमा पथ पर चिन्हित करीब 224 से अधिक आश्रय स्थलों पर पौधारोपण भी कराएगी। इससे यह सम्पूर्ण परिक्रमा पथ श्रद्धालुओं और पथिकों के लिए सुविधाजनक, बेहतर और आकर्षक बनेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान में हुई प्रमुख गतिविधियों के बारे में प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने जानकारी दी कि जन अभियान परिषद् ने इस अभियान में सक्रियतापूर्वक भागीदारी करते हुए 40 लाख लोगों को जल संचय और संवर्धन के साथ-साथ जल संरक्षण के कार्यों से जोड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन अभियान परिषद् को इस सक्रियता के लिए बधाई दी। जन अभियान परिषद् के राज्य स्तरीय अधिकारी ने बताया कि परिषद् को जिला प्रशासन के निर्देशन में ग्राम/ग्राम पंचायत स्तर पर अपने नेटवर्क के जरिए अभियान की गतिविधियों में जन सहभागिता सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया था। परिषद् ने प्रस्फुटन एवं नवांकुर समितियों को इस कार्य के लिए लक्षित किया। परिषद् ने ग्रामीण जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों को जल के महत्व के बारे में संवदेनशीलता के साथ जोड़ा। इससे ग्रामीणों को जल का महत्व समझ में आया और बड़ी संख्या में ग्रामीण जल संरचनाओं के निर्माण के साथ-साथ पुराने जल स्त्रोतों का विकास कर उनमें जल पुर्नभरण हुआ।

परिषद् ने जल के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए रचनात्मक तरीके अपनाए और जनोपयोगी संदेशों का प्रचार-प्रसार कर जन-जन की जल संचय में भागीदारी सुनिश्चित की।

पुरानी जल संरचनाओं और धरोहरों को भी संवारें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में हुए उल्लेखनीय कामों से प्रेरणा लेकर सभी जिलों में ऐसे जल संरक्षण के कामों को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में बावनकुंड और बुरहानपुर जिले में कुंडी भंडारा (आम बोलचाल में खूनी भंडारा के नाम से प्रचलित) जैसे ऐतिहासिक जल स्त्रोतों को भी इस अभियान से जोड़कर यहां जरूरी विकास कार्य कराने की संभावनाएं तलाशी जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जल बचाने के लिए पुरातन जल संरचनाओं/धरोहरों को संवारने और इन्हें वर्तमान की जल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करने के सभी प्रयास किए जाएं।

जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बारिआम गांव की महिलाओं से खरीदे आम

बच्चों को दुलारा, आम खिलाए और रोज स्कूल जाने की मनुहार भी की

मेट्रो खबर,भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को सपत्नीक नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी प्रवास पर पहुंचे। पचमढ़ी से लौटते वक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बारिआम गांव में सड़क किनारे टोकरी में रखकर आम बेच रहीं महिलाओं और बच्चों को देखकर अपना काफिला रूकवाया। मुख्यमंत्री ने आम बेच रहीं सभी महिलाओं से आत्मीय संवाद किया। पूछा - रोज कितने के आम बेच लेती हो ? मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर आम विक्रेता श्रीमती बसंती टेकाम की खुशी का ठिकाना न रहा, उसने प्रफुल्लित होकर बताया कि सर, रोज सुबह से शाम यहां बैठते हैं, तो 400 से 500 रूपए के आम बिक ही जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समीप ही खड़ी श्रीमती बसंती की बेटी को देखकर पूछा - क्या ये बिटिया स्कूल जाती है ? महिला ने कहा कि हां सर, सीएम राइज स्कूल में पढ़ती है। मुख्यमंत्री ने हर्ष जताकर कहा कि अरे बिटिया, अब उसका नाम सांदीपनि विद्यालय हो गया है। मुख्यमंत्री ने यहां आम बेच रहीं सभी महिलाओं से आम खरीदे और खुद भुगतान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव ने महिलाओं से खरीदे हुए आम वहां एकत्रित सभी नन्हे-मुन्ने बच्चों में स्नेहपूर्वक वितरित कर दिए। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों से भी बाल सुलभ संवाद किया और पूछा क्या नाम है, स्कूल जाते हो ? तो बच्चों में से उमेश, साक्षी और रिया ने कहा जी सर। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन सभी बच्चों को रोज स्कूल जाने और मन लगाकर पढ़ाई करने की मनुहार की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में होगा RISE 2025 कॉन्क्लेव का आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 27 जून को रतलाम में आयोजित होने जा रहा RISE 2025 कॉन्क्लेव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में नए युग की शुरुआत करेगा। यह आयोजन प्रदेश में उद्यमिता, रोजगार और नवाचार की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 350 करोड़ रूपये से अधिक लागत की 35 से अधिक औद्योगिक अधोसंरचना परियोजनाओं, क्लस्टरों और विभागीय भवनों का भूमि-पूजन और लोकार्पण करेंगे। साथ ही 1500 करोड़ रूपये से अधिक निवेश की 50 नई औद्योगिक इकाइयों की आधारशिला भी रखी जाएगी। प्रदेश में युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 500 उद्यमियों को आशय पत्र और भूमि आवंटन प्रदान किया जाएगा। साथ ही 500 आकांक्षी युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर सौंपे जाएंगे।

आखिर इजराइल-ईरान की जंग में कूद पड़ा अमरीका

ईरान के 3 एटमी ठिकानों पर बी 2 बॉम्बर से की बमबारी

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4.30 बजे हुआ।

● ईरान का पलटवार,इजराइल के 14 शहरों पर मिसाइलें दागीं

ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागी हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि उन्होंने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। वहीं, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहायशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजराइल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इस बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- हमने मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की। हाल की घटनाओं में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई। हालात को तुरंत शांत करने, बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

कच्चे तेल की खरीद को लेकर सतर्क हुआ भारत

ईरान-इजरायल युद्ध के बाद बदली रणनीति, अब इराक पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर

अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं।

हमने शुरू किया, अमेरिका ने इसे अंजाम तक पहुंचाया

ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के बाद बोले नेतन्याहू, ट्रंप को बताया सबसे अच्छा दोस्त

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान की तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर हमला कर तबाह करने का दावा किया है। पूरा अपडेट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में दिया। इस एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका को अपना करीबी मित्र बताया। हिब्रू भाषा में जारी वीडियो स्टेटमेंट में इजरायली पीएम ने कहा कि इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने जो शुरू किया उसे अमेरिका ने अंत तक पहुंचाया। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने संघर्ष की शुरुआत से ही ईरान की 'न्यूक्लियर फैसिलिटी' तबाह करने का वादा पूरा कर दिया है। अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी के खिलाफ वह काम पूरा किया है, जिसे 'आईडीएफ' ने 13 जून को शुरू किया था। नेतन्याहू ने कहा, ऑपरेशन की शुरुआत में, मैंने आपसे वादा किया था कि ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी को किसी न किसी तरह से

तबाह कर दिया जाएगा। यह वादा पूरा किया गया है। इजरायली पीएम ने अमेरिकी प्रेसीडेंट से टेलीफोन पर हुई बातचीत का भी ब्योरा दिया। कहा, मैंने अमेरिकी ऑपरेशन खत्म होने के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देने के लिए फोन किया था। यह बहुत गर्मजोशी और भावुक बातचीत थी। नेतन्याहू ने आगे कहा, उन्होंने (ट्रंप) मुझे बधाई दी। उन्होंने हमारी सेना को और उन्होंने हमारे लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप दृढ़ता के साथ स्वतंत्र विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं। वह इजरायल के बहुत अच्छे मित्र हैं, ऐसे मित्र जैसा कोई और नहीं। बता दें कि ईरान पर एयर स्ट्राइक के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि उनका इरादा ईरान की न्यूक्लियर एनरिचमेंट कैपेसिटी को तबाह करना था।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया का प्रदर्शनकारी महमूद खलील 3 महीने बाद रिहा हुआ

बोगोटा , एजेंसी। फिलिस्तीनी कार्यकर्ता और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलिल को तीन महीने बाद अमेरिकी इमिग्रेंट कस्टडी से रिहा कर दिया गया। खलील को 8 मार्च को मैनहट्टन में उनके घर से हिरासत में लिया गया था। उन पर फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों में भाग लेने का आरोप था। इसके साथ सरकार का दावा था कि खलिल ने अपने ग्रीन कार्ड आवेदन में झूठ बोला, लेकिन खलील ने इन आरोपों से इनकार किया। उनके वकीलों का कहना है कि यह गिरफ्तारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने की कोशिश है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि खलील की मौजूदगी देश के लिए सही नही है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि ऐसे प्रदर्शन करने वाले गैर-नागरिकों को डिपार्ट किया जाएगा।

चीन-पाकिस्तान और बांग्लादेश ने कुनमिंग में विदेश मंत्रालय स्तर की बैठक की

बीजिंग, एजेंसी। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इस सप्ताह चीन के कुनमिंग शहर में विदेश मंत्रालय स्तर की बैठक की है। ये तीनों देशों के बीच पहली बैठक है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बैठक को लेकर जानकारी साझा की है। हालांकि, अभी बैठक किस दिन हुई, ये सामने नहीं आया है। बैठक में चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रुहुल आलम सिद्दीकी और पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव इमरान अहमद सिद्दीकी शामिल हुए। पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच वीडियो लिंक के माध्यम से इसमें शामिल हुईं। बलूच ने चीन की पहल की सराहना की और कहा कि यह बैठक तीनों देशों के बीच लोगों-केंद्रित विकास के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है जब भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्षेत्र में कूटनीतिक तनाव बढ़ा है। ऐसे में इसे भारत के खिलाफ तीनों देशों के एकजुट होने से जोड़कर देखा जा रहा है।

यमन देगा ईरान का साथ ट्विटर पर पोस्ट कर की घोषणा, लेबनान ने पीछे खींचे हाथ

सना एजेंसी। ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव और भी बढ़ गया है। इस बीच, यमन की सेना ने खुलकर इजरायल के खिलाफ संघर्ष में ईरान का समर्थन करने का ऐलान किया है। यमन की मिलिट्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए स्पष्ट किया है कि वह इस युद्ध में ईरान के साथ खड़ी है। वहीं, लेबनान ने इस जंग में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। यमन की सेना ने बयान जारी करते हुए कहा, यमन अब आधिकारिक तौर पर युद्ध में शामिल हो जाएगा। सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध है कि वे हमारी समुद्री सीमा से अपने जहाजों को दूर रखें। इससे पहले भी यमन के हूती विद्रोहियों ने हमास और हिज़्बुल्लाह के समर्थन में इजरायल पर लगातार मिसाइल और रॉकेट हमले किए हैं। इसके अलावा यमन ने लाल सागर और अदन की खाड़ी में इजरायल और उसके समर्थक देशों के जहाजों को भी कई बार मिसाइल हमलों का निशाना बनाया है। यमन ने एक बार फिर इजरायल को सख्त चेतावनी जारी की है।

ट्यूनीशिया के पूर्व राष्ट्रपति मार्जौकी को 22 साल की सजा

ट्यूनिस, एजेंसी। ट्यूनीशिया की एक अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कैस सईद के कटु आलोचक पूर्व राष्ट्रपति मोनसेफ मार्जौकी को राज्य की सुरक्षा को कमजोर करने के आरोप में 22 साल की सजा सुनाई। जब सजा सुनाई गई मार्जौकी अदालत में उपस्थित नहीं थे। मार्जौकी को तीसरी बार सजा सुनाई गई है। पिछले साल एक अदालत ने विभिन्न मामलों में आठ साल और चार साल की सजा सुनाई थी। 2011 से 2014 तक राष्ट्रपति रहे मार्जौकी ने सईद पर संसद को बर्खास्त करने और डिक्री द्वारा शासन करने के बाद एक सत्तावादी शासन स्थापित करने का आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने 2011 में लगभग सभी शक्तियों को जब्त कर लिया था। सईद ने ट्यूनीशिया को स्थिर करने के लिए आवश्यक कदम के रूप में अपने कार्यों का बचाव किया।

ईरान बोला- अमेरिका का क्रूर कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

तेहरान, एजेंसी।
ईरान की परमाणु एजेंसी ने रविवार को पुष्टि की कि उसके फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले हुए हैं। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अमेरिकी हमले की घोषणा के बाद बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन ईरानी राष्ट्र को आश्वस्त करता है कि अपने दुश्मनों की दुष्ट साजिशों के बावजूद अपने हजारों वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के प्रयासों से वह इस राष्ट्रीय उद्योग के विकास को नहीं रुकने देगा। इससे पहले ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने देश के फोर्डो परमाणु ठिकानों पर हमले की बात स्वीकार की थी। इसने बताया कि हमलों में इस्फहान और नतांज परमाणु स्थल भी शामिल थे। आईआरएनए ने सुरक्षा मामलों के प्रभारी इस्फहान के डिप्टी गवर्नर अकबर सालेही के हवाले से कहा कि ठिकानों के आसपास हमले हुए हैं। तेहरान की एजेंसी ने यह भी कहा कि उसके परमाणु स्थलों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का

उल्लंघन करते हैं। यह कार्रवाई दुर्भाग्य से अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की उदासीनता और मिलीभगत के तहत हुई। अमेरिकी दुश्मन ने हमलों की जिम्मेदारी ली है, जो सुरक्षा समझौते और एनपीटी के अनुसार निरंतर आईएईए निगरानी के अधीन हैं। यह उम्मीद की जाती है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जंगलराज जैसी इस अराजकता की निंदा करेगा और ईरान को उसके वैध अधिकारों का दावा करने में समर्थन देगा। आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत के दौरान चेतावनी दी कि जायोनी शासन की निरंतर आक्रामकता के प्रति उनके देश की प्रतिक्रिया और भी विनाशकारी होगी। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि पास के पहाड़ पर स्थित परमाणु संवर्धन स्थल पर अमेरिकी हमले के बाद तेहरान के दक्षिण में स्थित कोम शहर के निवासियों के लिए कोई खतरा नहीं है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि वह ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी बमवर्षकों की ओर से किए जा रहे खतरनाक हमलों से बेहद चिंतित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इस बात का जोखिम बढ़ रहा है कि यह संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है। इससे नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इस खतरनाक समय में अराजकता के चक्र से बचना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे की कूटनीति का आह्वान किया। इससे पहले अमेरिकी सेना ने पहले ईरान के फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे। लड़ाई में उसके साथ आ गया। उसका उद्देश्य देश के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना है, ताकि व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाओं के बावजूद एक लंबे समय से चले आ रहे।

ईरान पर हमलों के बाद अमेरिकी सीनेटरों ने की ट्रंप की तारीफ, कहा- बेहद साहसिक और सही फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी।
ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ हो रही है। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप के फैसले को सही और साहसिक करार दिया है। अमेरिका ने शनिवार रात को ईरान के नताज, फोर्डो और इस्फहान परमाणु ठिकानों पर हमला किया। हमले के बाद साउथ कैरोलिना के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक्स पर लिखा कि बहुत बढ़िया, राष्ट्रपति ट्रंप। टेक्सास के सीनेटर जॉन कॉर्निन ने कहा कि साहसिक और सही निर्णय। अलबामा के सीनेटर केटी ब्रिट ने हमले को मजबूत और सर्जिकल करार दिया। इसके अलावा ओक्लाहोमा के सीनेटर मार्कवेन मुलिन ने लिखा कि अमेरिका पहले, हमेशा।

वहीं सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष मिसिसिपी के रोजर विकर ने कहा कि ट्रंप ने ईरानी शासन की ओर से पैदा किए जा रहे खतरे को समाप्त करने के लिए जानबूझकर और सही निर्णय लिया है। विकर ने एक्स पर लिखा कि अब हमारे सामने अपने नागरिकों और सहयोगियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई विकल्प हैं।

सीनेट के नेता जॉन थून ने कहा कि हम यह तय करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं कि परमाणु हथियार ईरान की पहुंच से बाहर रहें। मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़ा हूं और खतरे में पड़े अमेरिकी सैनिकों और कर्मियों के लिए प्रार्थना करता हूं। थून और सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन को शनिवार को हमलों से पहले ही जानकारी दे दी गई थी। जॉनसन ने कहा कि सैन्य अभियान हमारे विरोधियों और सहयोगियों को स्पष्ट रूप से याद दिलाएगा कि राष्ट्रपति ट्रंप जो कहते हैं, वही करते हैं। हाउस इंटेलीजेंस कमेटी के अध्यक्ष रिक क्रॉफोर्ड ने कहा कि मैं व्हाइट हाउस के संपर्क में था और उन अमेरिकी सेवा सदस्यों का आभारी हूं जिन्होंने इन सटीक और सफल हमलों को अंजाम दिया।

डेमोक्रेटिक सहयोगियों से अलग हटकर पेंसिल्वेनिया के सीनेटर जॉन फेटरमैन ने भी ईरान पर हमलों की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जैसा कि मैं लंबे समय से कहता रहा हूं, यह अमेरिकी राष्ट्रपति का सही कदम था। ईरान दुनिया में आतंकवाद का अग्रणी प्रायोजक है और उसके पास परमाणु क्षमता नहीं हो सकती।

कुछ सांसदों ने ट्रंप के फैसले का विरोध भी किया। केंटकी के प्रतिनिधि थॉमस मैसी ने ट्रंप के हमलों की घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट किया कि यह सांविधानिक नहीं है। कई डेमोक्रेट्स का मानना है कि कांग्रेस को इस मामले में अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए। सीनेट में इस सप्ताह वर्जीनिया के सीनेटर टिम केन के प्रस्ताव पर मतदान होना था, जिसके अनुसार अमेरिका द्वारा ईरान पर युद्ध की घोषणा करने या कोई विशेष सैन्य कार्रवाई करने से पहले कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता होगी। कनेक्टिकट प्रतिनिधि जिम हिम्स ने एक्स पर पोस्ट किया कि संविधान के अनुसार हम दोनों ने रक्षा करने की शपथ ली है, इस मामले पर मेरा ध्यान बम गिरने से पहले आता है।

ट्रंप का दर्द छलका, कहा- कुछ भी करूं, नोबेल नहीं मिलेगा

पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति को नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर अपनी इच्छा को सोशल मीडिया के माध्यम से जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने दुनिया में कई बड़े शांति प्रयास किए हैं, लेकिन फिर भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।

चाहे कुछ भी कर लूं, मुझे नहीं मिलेगा...

ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि मैंने कांगो और रवांडा के बीच समझौता करवाया, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, सर्बिया और कोसोवो के बीच शांति लाई, मिस्र और इथियोपिया के बीच टकराव रोका और मिडिल ईस्ट में अब्राहम समझौते किए। फिर भी मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे लिखा कि अगर सब कुछ सही चला, तो अब्राहम समझौते में और देश भी जुड़ेंगे और मिडिल ईस्ट पहली बार एकजुट हो पाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि चाहे वो रूस-यूक्रेन या इस्राइल-ईरान जैसे बड़े मुद्दों को भी सुलझा लें, तब भी उन्हें यह पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि मैंने क्या किया है और मेरे लिए वही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब नोबेल पुरस्कारों को लेकर वैश्विक बहस जारी है कि किसे और क्यों दिया जाता है।

ईरान के मुद्दे पर ट्रंप ने अपनी ही खुफिया एजेंसी को बताया गलत

वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु हथियार को लेकर उनकी खुफिया एजेंसी की जानकारी गलत है। पत्रकारों ने ट्रंप से इस पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि तो मेरी खुफिया एजेंसी गलत है। जब बताया गया कि ये बात तुलसी गबार्ड ने कही है, तो ट्रंप ने साफ कहा, वो गलत हैं। बता दें कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने मार्च में संसद में बताया था कि अमेरिका की एजेंसियों के मुताबिक ईरान ने अब तक परमाणु बम बनाने का कोई फैसला नहीं किया है। बता दें कि हाल ही में ट्रंप के साथ लंच करने व्हाइट हाउस गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भी ट्रंप को नोबेल दिए जाने का समर्थन किया था।

फिलिस्तीन समर्थकों ने ब्रिटेन में जमकर मचाया उत्पात, सैन्य अड्डों पर खड़े विमानों को किया डैमेज

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन में फिलिस्तीन समर्थकों ने शुक्रवार (20 जून, 2025) को सेंट्रल इंग्लैंड के रॉयल एअर फोर्स बेस में घुसकर दो विमानों को क्षतिग्रस्त कर दिया और उनके ऊपर लाल रंग छिड़क दिया। फिलिस्तीन एक्शन नाम के कैंपेन ग्रुप का कहना है कि उसके के दो एक्टिविस्ट ऑक्सफोर्डशायर में ब्रिज नॉर्टन बेस में घुस गए थे। उन्होंने वायेजर विमान के इंजनों पर पेंट छिड़क दिया और बहुत नुकसान पहुंचाया।

इस ग्रुप ने घटना एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए कहा, इजरायली सरकार की सार्वजनिक रूप से निंदा करने के

बावजूद ब्रिटेन मिलिट्री कार्गो को भेजना, गाजा के ऊपर जासूसी विमान उड़ाना और अमेरिकी/इजरायली फाइटर प्लेन को ईंधन भरना जारी रखे हुए है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने इस घटना की निंदा की और कहा कि वह जांच के लिए पुलिस के साथ काम कर रहा है।

बयान में कहा गया, हमारी आर्म्ड फोर्स सबसे बेस्ट है। वो हमारे लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं और उनका कर्तव्य, समर्पण और निस्वार्थ व्यक्तिगत बलिदान का प्रदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणा है। ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन लोगों का समर्थन करें जो हमारी रक्षा करते हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि वो इस बात की जांच कर रही है कि ये लोग एयरबेस तक कैसे पहुंचे और क्रिमिनल डैमेज का क्या कारण रहा? फिलिस्तीन एक्शन उन ग्रुपों में से एक है जो गाजा संघर्ष की शुरुआत से ही लगातार ब्रिटेन में डिफेंस फर्मों और इजरायल से जुड़ी अन्य कंपनियों को निशाना बनाते रहे हैं। इस ग्रुप का कहना है कि उसने ही रनवे पर पेंट फेंका था और वहां पर फिलिस्तीन का झंडा भी छोड़ दिया था।

अजरबैजान में 7 जर्नलिस्ट को जेल, विदेशी करेंसी की तस्करी का आरोप

मीडिया संगठनों ने अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान की एक अदालत ने रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी के पत्रकार फरीद मेहरालिजादा और छह दूसरे पत्रकारों को अलग-अलग आरोपों में दोषी ठहराते हुए 7 से 9 साल तक जेल की सजा सुनाई। मेहरालिजादा और अब्जास मीडिया के डायरेक्टर उल्वी हसनली, मुख्य संपादक सेविंज अब्बासोवा और पत्रकार हाफिज बबाली को 9 साल की सजा मिली। वहीं, पत्रकार नरगिज अब्सलामोवा और एलनारा गासिमोवा को 8 साल, जबकि मोहम्मद केकेलोव को 7 साल की सजा सुनाई गई। दरअसल, नवंबर 2023 में अब्जास मीडिया के छह पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने उन पर विदेशी करेंसी की तस्करी का आरोप लगाया। मेहरालिजादा को मई 2024 में इसी मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में उन पर टैक्स चोरी और दस्तावेज जालसाजी जैसे आरोप लगाए गए।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने उनकी रिहाई की मांग की है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने इस सजा को अन्यायपूर्ण और झूठे आरोपों पर आधारित मुकदमा करार दिया। संगठन की संपादकीय निदेशक ऐनी बोकांदे ने कहा- अजरबैजान की सरकार पत्रकारों को जेल में डाल सकती है, लेकिन सच्चाई को नहीं रोक सकती। अजरबैजान में इस साल की शुरुआत में वॉयस ऑफ अमेरिका और ब्लूमबर्ग के प्रेस पास रद्द किए गए और बीबीसी का ऑफिस बंद कर दिया गया। एमनेस्टी इंटरनेशनल की जनवरी 2025 की रिपोर्ट में कहा गया कि अजरबैजान की सरकार राजनीति से प्रेरित गिरफ्तारियों के जरिए स्वतंत्र मीडिया को चुप कर रही है और ये कदम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला हैं।

पाकिस्तान में क्रिप्टो बिजनेस की कमान संभालेंगे आर्मी चीफ मुनीर

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन, एजेंसी।
पाकिस्तान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुनबे का क्रिप्टो कारोबार अब आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। वाइट हाउस में हाल में ट्रम्प द्वारा मुनीर को डिनर डिप्लोमेसी के तहत न्योते में क्रिप्टो डील को फाइनल करना था। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार ट्रम्प परिवार अगले दो साल में पाक में क्रिप्टो बिजनेस को दोगुना कर 34 हजार करोड़ रुपए करने की तैयारी में है। मुनीर पाक में क्रिप्टो बिजनेस को अपने हाथ में लेंगे। इसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद मुनीर द्वारा सीजफायर करने का ट्रम्प की ओर से इनाम समझा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प-मुनीर में डील कराने में पाक मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन साजिद तरार अहम

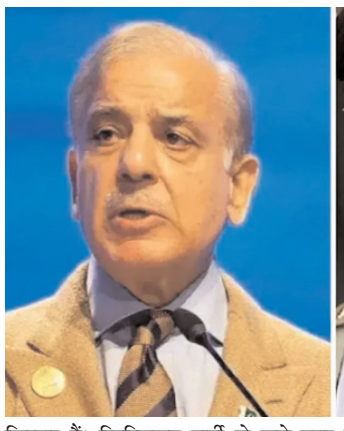

किरदार हैं। रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े तरार फाइनेंस व रियल एस्टेट फर्म मैक्सिमस इन्वेस्टमेंट ग्रुप चलाते हैं। मुनीर को डिनर का न्योता दिलाने में भी तरार का मुख्य रोल रहा।

पाकिस्तानी आर्मी के कई बिजनेस भी चलते हैं। अनुमान है कि पाक आर्मी का लगभग सवा दो लाख करोड़ रुपए का बिजनेस है। फौजी फाउंडेशन (एफडी), आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट (एवीटी) और डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) जैसे संगठन ये बिजनेस चलाते हैं। ये संगठन उर्वरक, सीमेंट, ऊर्जा, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में व्यापार करते हैं। आर्मी चीफ मुनीर इस आर्मी के बिजनेस की आय के कुछ हिस्सा क्रिप्टो करंसी में भी लगा सकते हैं। पाकिस्तान आतंकी फंडिंग के कारण एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) संस्था की वॉचलिस्ट में है। जानकारों का मानना है कि पाक क्रिप्टो करंसी में आतंकी फंडिंग कर एफएटीएफ के निगरानी तंत्र को गच्चा दे सकता है। क्रिप्टो करंसी में शामिल ब्लॉकचेन की जटिलता लेनदेन को ट्रैक करना मुश्किल बनाती है। इसका फायदा उठाकर अवैध आतंकी फंडिंग छिपाई जा सकती है।

पाक को द. एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाने का प्लान ट्रम्प का प्लान है कि पाकिस्तान को दक्षिण एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाया जाए। चेन एनालिसिस रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल क्रिप्टो एडैप्टेशन में पाकिस्तान 9वें नंबर पर है। यहां पिछले तीन साल में क्रिप्टो बिजनेस दोगुना हो गया है। करीब 24.5 करोड़ की आबादी में से लगभग 2.75 करोड़ लोग क्रिप्टो यूजर हैं–जो दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा है। इसकी बड़ी वजह वहां की ब्लैक इकोनॉमी मानी जा रही है। पाक जीडीपी में 46वें, प्रति व्यक्ति आय में 155वां नंबर पर है। पीएम शहबाज के क्रिप्टो पर सलाहकार बिलाल ने वेगास कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी में कहा, पाक क्रिप्टो करंसी वॉलेट और बिटकॉइन माइनिंग का प्लान बना चुका है। इसे जल्द लागू कर दिया जाएगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान और सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड को भी क्रिप्टो को लेकर नए कानून बनाने के लिए गाइडलाइंस बनाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि सरकार ने बिटकॉइन माइनिंग फर्म और एआई डेटा सेंटर के लिए दो हजार मेगावॉट की अतिरिक्त पावर सप्लाई की मंजूरी दी है। क्रिप्टो करंसी के कारोबार से अमेरिका और पाकिस्तान के राजनीतिक परिवारों को बड़ा फायदा मिल सकता है। पाकिस्तान ने इसके लिए वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) से करार किया है, जिसमें ट्रम्प परिवार की 60प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। ट्रम्प के सलाहकार जाकरी विटकॉफ के बेटे स्टीव, जो डब्ल्यूएलएफ से जुड़े हैं, हाल ही में इस्लामाबाद में मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ से मिले थे। ट्रम्प के दूसरे नंबर के बेटे हैं, डब्ल्यूएलएफ में 15प्रतिशत हिस्सेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

माधव उद्यान के सर्वांगीण विकास हेतु डीपीआर तैयार करने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने गुरूवार को माधव उद्यान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ श्री राकेश शर्मा , श्री सुरेन्द्र सिंह चैहान तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री दुर्गेश सिंह ठाकुर के अलावा माधव उद्यान में भ्रमण करने वाले लोग साथ मौजूद रहे। विधायक श्री टण्डन ने भ्रमण के दौरान माधव उद्यान के सर्वांगीण विकास में नए आयाम जोड़े जाने हेतु डीपीआर तैयार कराने के निर्देश दिए है जिसमें से मुख्य रूप से रानी दुर्गावती उद्यान को भी माधव उद्यान से जोडे जाने तथा योग भवन को पूर्ण कराने के अलावा आवश्यकता के अनुसार माधव उद्यान के तालाब के चारो और फेसिंग कराने तथा नवीन प्रजाति के पौधे रोपित करने पर बल दिया है। गौरतलब हो कि विधायक श्री टण्डन ने भ्रमण निरीक्षण के दौरान माधव उद्यान के तालाब में जारी पिचिंग कार्य का भी निरीक्षण किया। भ्रमण करने वालो के द्वारा दिए गए सुझाव पर उन्होंने बच्चे सीधे तालाब के पानी तक ना पहुंचे इसके लिए पृथक से डीपीआर तैयार कर कार्यो को मूर्तरूप देने के निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारी को दिए है।

खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद ही खरीफ फसलों की बुवाई करें किसान

विदिशा (निप्र)। जिले में मानसून को दृष्टिगत रखते हुए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा कृषक भाईयों को सलाह दी गई है कि जब उनके क्षेत्र में नियमित मानसून के पश्चात लगभग 4इंच (100 एमएम) वर्षा हो जाये उसके बाद ही खरीफ फसलों की बोनी करना उचित होगा।सोयाबीन की बोनी के लिये मध्य जून से लेकर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक का समय उपयुक्त होता है। मानसून पूर्व वर्षा के आधार पर बोनी करने से सूखे का लंबा अंतराल रहने पर फसल को नुकसान हो सकता है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। अतः कृषकों को सलाह दी गई है कि सोयाबीन की बोनी बीबीएफ (चैडी क्यारी प्रणाली) या कूंड-मेड प्रणाली (रिज-फरौ पद्धति) से ही करें , ताकि अधिक वर्षा की स्थिति में जल निकासी आसानी से की जा सके। खरीफ फसलों की बुवाई के लिये आवश्यक आदान (बीज, खाद, फफूंदनाशक, कीटनाशक, खरपतवार नाशक, जैविक कल्चर आदि) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें। अपने पास उपलब्ध बीज का अंकुरण परीक्षण करें जो कि न्यूनतम 70 प्रतिशत होना चाहिए। चयनित फसल की एक किस्म पर निर्भर न रहकर दो या तीन किस्मों का चयन करें। पीले मोजेक रोग की रोकथाम हेतु अनुशंसित कीटनाशक थायोमिथाक्सेम 30 एफएस (10 मिलीध् किग्रा बीज) या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफएस (1.2 मिलीध् किग्रा बीज) से बीज उपचार करने हेतु क्रय, उपलब्धता सुनिश्चित करें।

अवैध रेत भण्डारण पर 1 लाख 57 हजार रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बिना रायल्टी गौण खनिज भण्डारण करने पर कांट्रेक्टर श्री अंकुर चौहान निवासी ब्रिज के पास आशापुर तहसील नया हरसूद जिला खण्डवा पर खनिज नियम 2022 के तहत 78750 रूपये का अर्थदण्ड तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति की राशि 78750 रूपये, इस प्रकार कुल 157500 रूपये की राशि अधिरोपित की है। उल्लेखनीय है कि नायब तहसीलदार खिरकिया द्वारा वर्ष 12 अक्टूबर 2023 कांट्रेक्टर श्री अंकुर चौहान के विरूद्ध रेत के अवैध भण्डारण का प्रकरण दर्ज किया गया था। कलेक्टर श्री जैन ने संबंधित ठेकेदार को अर्थदण्ड की राशि 157500 रूपये तथा प्रशमन शुल्क एक हजार रूपये चालान द्वारा जमा करने के निर्देश दिये है। साथ ही संबंधित कांट्रेक्टर को अपना पक्ष समर्थन के लिये 30 जून के पूर्व न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये है। उपस्थित नहीं होने की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

ड्रॉपआउट करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने हेतु कलेक्टर ने किया नवाचार

विद्यार्थियों के स्कूल से ड्रॉपआउट को रोकने के लिए चलाया जा रहा है शिक्षा सेतु कार्यक्रम

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा सीहोर स्थित डाइट कॉलेज में शिक्षा सेतु नवाचार का शुभारंभ किया गया। इस नवाचार में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी बच्चा स्कूल से ड्रॉपआउट न करे। इसी नवाचार को लेकर डाइट में शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा स्कूल-कॉलेजों के प्राचार्यों की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ड्रॉपआउट करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने के लिए विस्तार से दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे, इस उद्देश्य से शिक्षा सेतु कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सभी स्कूल, कॉलेज के प्राचार्य एवं संबंधित अधिकारी पूरी गंभीरता से संचालित करें। उन्होंने कहा कि सभी प्राचार्य एवं विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विद्यार्थी स्कूल के बाद ड्रॉप आउट न करे। शिक्षा हमारे जिले, हमारे राज्य और हमारे देश के विकास का मुख्य आधार है। देश के विकास के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक युवा शिक्षित हो ताकि वह अपने देश के विकास में अपना अधिकतम योगदान दे सके। उन्होंने कहा कि यदि कोई विद्यार्थी ड्रॉप आउट कर रहा है तो उसे एवं उसके अभिभावको को समझाइश देकर ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने सभी स्कूल और कॉलेज के शिक्षकों एवं प्राचार्यों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की कक्षा पहली से ग्रेजुएशन तक नामांकन की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई विद्यार्थी शिक्षा की मुख्यधारा से कट रहा है तो उसका कारण पता करें, ताकि उनके समाधान के लिए प्रयास किया जा सके। उन्होंने कहा कि शिक्षक समय पर स्कूल पहुंचे और विद्यार्थियों को भी समय पर स्कूल में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि जो शिक्षक शाला में समय पर उपस्थित रहकर बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य करेंगे उन्हें जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में शिक्षण गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और शिक्षण को गुणवत्तापूर्ण बनाया जाये। उन्होंने बिना कारण अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-समय पर शैक्षणिक गतिविधियों की जिला स्तरीय बैठक में समीक्षा की जाएगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने निर्देश दिए कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण गतिविधियां आयोजित करें। इसके साथ ही अंतर राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी शालाओं के शिक्षकों और विद्यार्थियों की योग कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित कराएं। सभी को योग के महत्व के बारे में बताया जाए। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों से पढ़ाई करके जो विद्यार्थी उच्च पदों पर पदस्थ हुए हैं उनसे संपर्क कर विद्यालय में आमंत्रित किया जाए और वे विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान एवं तंबाकू नियंत्रण कार्यक्र के तहत स्कूल परिसरों को तंबाकू मुक्त बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

सीएमएचओ डॉ.हुरमाडे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेड़ी सावलीगढ़ का किया औचक निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे द्वारा शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेड़ी सावलीगढ़ का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से अस्पताल में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही खंड चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, सीएचओ, एएनएम की बैठक लेकर सभी अधिकारी, कर्मचारी निर्धारित समय पर संस्था में उपस्थित रहने हेतु निर्देश दिए। आशाओं को किशोरी बालिकाओं एवं गर्भवती/धात्री माताओं को संस्था में लाकर स्वास्थ्य परीक्षण करवायें एवं आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य समझाइश प्रदान करने के निर्देश दिए। डॉ.मनोज कुमार हुरमाड़े ने वर्षा ऋतु/मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रति सोमवार एवं शुक्रवार चिकित्सा अधिकारियों की ड्यिूटी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ओपीडी के संचालन के लिए आगामी आदेश तक लगाई गई। साथ ही रविवार के लिये संस्था को आकस्मिक सुविधा के लिए प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे खुले रखे जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ विनोद शाक्य मौजूद रहे।

कन्या शिक्षा परिसर में किया गया योग का अभ्यास

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित कन्या शिक्षा परिसर में योग अनप्लग्ड दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर सहित शिक्षकों एवं छात्राओं ने योग का अभ्यास किया। इस अवसर पर छात्राओं के बीच निबंध लेखन, चित्रकला तथा पोस्टर प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

ग्राम पंचायत बिसनूर में आयोजित इंटीग्रेटेड हेल्थ केम्प में 73 हितग्राही हुए लाभान्वित

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के दिशा निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे, जिला नोडल अधिकारी डॉ आनंद मालवीय मार्गदर्शन और काउंसलर सह डाटा मैनेजर श्री दिनेश भावरकर के कोऑर्डिनेशन में इंटीग्रेटेड हेल्थ केम्प 20 जून को ग्राम पंचायत बिसनूर में आयोजित किया गया। हेल्थ केम्प में ब्लड शुगर, बीपी की, एचआईवी, सिफिलिस, टीबी एवं हेपेटाइटिस बी की स्क्रीनिंग़, डिजिटल एक्सरे मशीन से एक्सरे एवं चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। उपस्थित जन समुदाय को एचआईव्ही एवं एड्स, एसटीआई, हेपेटाइटिस एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। पोस्टर और लीफलेट के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया और आईईसी के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। उच्च जोखिम अवस्था वाले हितग्राहियों को जिला चिकित्सालय बैतूल रैफर किया गया, ताकि उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। हेल्थ केम्प में 73 हितग्राही लाभान्वित हुए! शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ जितेंद्र आत्रे, बीईई श्री सुखनंदन बामने, काउंसलर श्रीमती अनीता लोखंडे,लैब टेक्नीशियन गणेश साकरे, श्रीमती मीना कुमारे,श्री रविकांत जाटव, एसटीएस श्री रमेश मंदरे, सीएचओ सुश्री पूजा रानी, श्री वैभव मालवी, श्रीमती छाया प्रजापति, श्रीमती भाग्यश्री नामदेव, श्रीमती गंगा सोलंकी, श्रीमती संगीता लोखंडे, श्रीमती पुष्पा ढ़ोटे, श्रीमती अनुपमा साहू, श्रीमती रंजना बर्डे अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं जनसमुदाय मौजूद रहा।

परिवहन और यातायात पुलिस ने यात्री और स्कूल वाहनों की जांच की

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा यात्री वाहनों तथा स्कूल वाहनों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाए जाने के लिए दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आज शुक्रवार को जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्णा ने विदिशा में वाहनों की जांच कार्यवाही की।

इस कार्यवाही में परिवहन विभाग के स्टॉफ के साथ यातायात पुलिस थाना प्रभारी श्री आशीष राय एवं स्टाफ मौजूद रहा। इस दौरान 07 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए जाने के कारण उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर उनमें से 03 वाहनों से शमन शुल्क 16500 रुपये वसूल किया गया है तथा शेष अन्य 04 वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जप्त कर जिला परिवहन कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखे गए हैं।

जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरदेश वर्मा ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान एक यात्री बस की फिटनेस की स्थिति सही नहीं पाई जाने तथा बस में अग्नि शमन यंत्र ना पाए जाने के कारण बस का फिटनेस प्रमाण पत्र निरस्त किया गया है। इसके अतिरिक्त बेतवांचल कॉलेज, अटारी खेजड़ा में जाकर उनके परिसर में खड़ी स्कूल बसों की जांच भी की गई। उक्त कार्रवाई के दौरान विशेष रूप से यात्री वाहनों , स्कूल बसों तथा स्कूल के बच्चों का परिवहन करने वाले ऑटो रिक्शा की जांच की गई। निर्देशों के अनुपालन में यात्री वाहन चेकिंग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

पांच ग्रामो में शिविरो का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)।धरती आबा जनजाती उत्कर्ष अभियान के उद्धेश्यो की प्राप्ति हेतु विदिशा जिले में चिन्हित ग्रामो में विशेष शिविरो का आयोजन जारी है इसी कडी के तहत बासौदा विकासखण्ड के पांच ग्राम क्रमशः ढफरयाई फरीदपुर, भाटनी, साहबा, सत्ताखेडी जाजौन और कुल्हार में एक साथ आयोजित किए गए थे। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में पूर्व उल्लेखित ग्रामो में आज सम्पन्न हुए विशेष शिविरो में विभिन्न विभागो के द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी स्थानीय जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को दी गई है साथ ही मौके पर शासकीय योजनाओं के हितलाभ हेतु आवेदनो को भरवाने की प्रक्रिया सम्पादित कराई गई है।

बाढ़ एवं राहत कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने कलेक्टर के निर्देश

सीहोर (निप्र)। इस वर्ष अत्याधिक तेज वर्षा होने की संभावना है, वर्षाकाल मे जिले मे कई नदी, नाले जलमग्न हो जाते है, रास्ते अवरूद्ध हो जाते है, सड़क एवं पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाती है व जन मानस के लिए अत्याधिक जोखिम पूर्ण हो जाते है।राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कलेक्टर श्री बालागुरू के ने गत दिवस सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किये है कि पुल-पुलियो एवं अन्य निर्माण के कारण मार्ग परिवर्तित (डायवर्सन) किया जाता है। अनेको बार परिवर्तित मार्ग भी अत्यंत जोखिम पूर्ण हो जाते है। मार्ग मे डाले गये पाईप से मिट्टी बह जाती है ओर वह अत्यंत जोखिम पूर्ण हो जाते है। इसके लिए संबंधित विभाग पूर्ण आकलन करेगे ओर आवागमन के लिए मार्ग सुगम बनाये रखेगे। कलेक्टर श्री बालागुरू के ने गत दिवस निर्देश दिये है कि मार्ग पर जल भराव, हो जाने की स्थिति मे प्रभार के मार्ग, पुल-पुलियो पर आवागमन प्रतिबंधित करेगे, बैरीकेट लगाएंगे तथा कर्मचारियों को तैनात करेंगे। इस संबंध मे लगाये गये कर्मचारियो के ड्यूटी आदेश संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी बाढ़ राहत एवं संयुक्त कलेक्टर श्री नितिन टाले, को पूर्व अनिवार्य रूप से प्रेषित करेगे।

कलेक्टर ने महिलाओं के समूहो द्वारा संपादित कार्यो को देखा

विदिशा (निप्र)। विदिश जिले में महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए की जा रही पहल के तहत महिला स्वसहायता समूह की सदस्यो द्वारा संपादित किए जा रहे कार्यो की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को ग्यारसपुर क्षेत्र के भ्रमण दौरान लक्ष्मी स्वसहायता समूह की सामुदायिक रसोई व्यवस्था के क्रियान्वयन को जाना। उन्होंने समूहो के सदस्यों से संवाद कर उनके जीवन में आए सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन के संस्मरणो को सुना है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती ललिता कुशवाह के बेधड़क उत्तरो को सुनकर कलेक्टर भी अचरज हुए। श्रीमती कुशवाह स्वंय अनपढ़ होने के बावजूद 33 आंगनबाडी के बच्चो को समय पर पोषणयुक्त भोजन पहुंचाने के दायित्वों का निर्वहन कर रही है। समूह की अन्य महिला सदस्यो से भी कलेक्टर ने चर्चा कर उनके जीवन में हुए परिवर्तन को जाना है। श्रीमती ललिता कुशवाह ने बताया कि बच्चो को भोजन परोसने का कार्य करने से जो आत्म संतुष्टि मुझे मिल रही है उसे मैं बतला नही सकती। बैंक के द्वारा लोन लेकर मैंने यह कार्य शुरू किया जो क्षेत्र में समूह की ख्याति को बढावा रहा है।

दुग्ध उत्पादन के कार्यो का जायजा : कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने ग्यारसपुर के भाग्य उदय प्रोडयूसर कंपनी के द्वारा दुग्ध संग्रह व विक्रय के लिए किए गए प्रबंधो का भी अवलोकन

किया है। यहां समिति की अध्यक्ष सीमा यादव ने समूह के सदस्यों द्वारा प्रगति के सोपानो की प्राप्ति हेतु किए गए प्रबंधो को साझा किया है। गौरतलब हो कि मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से संचालित भाग्य उदय महिला किसान प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड में कुल 95 समूह के शेयर होल्ड है कंपनी से जुड प्रत्येक सदस्य की राशि एक हजार रूपए, छह अवशीतन दुग्ध केन्द्र है। 304 पंजीकृत समिति के 8600 दुग्ध उत्पादक कंपनी से जुडे हुए है प्रतिदिन दूध कलेक्शन की मात्रा 22 हजार से 25 हजार लीटर है। कंपनी द्वारा किए गए अभिसरण की जानकारी ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री संजय चैरसिया के द्वारा साझा की गई हैं इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चैबे के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी साथ मौजूद रहे।

धरती आबा अभियान में शामिल योजनाओं का शत प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित कराएं: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

जिले में 30 जून तक आयोजित होने वाले शिविरों के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर ने दिए दिशा-निर्देश

रायसेन (निप्र)। जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित ग्रामों में 30 जून तक आयोजित किए जा रहे शिविरों के सफल और प्रभावी आयोजन हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति हेतु शासन द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है।

ग्रामों में आयोजित किए जा रहे शिविरों में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं से लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अधिकारियों तथा वीसी के माध्यम से सभी एसडीएम, जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि शिविरों के आयोजन का समुचित प्रचार-प्रसार किया जाए जिससे कि अधिक से अधिक ग्रामीणों को सहभागिता हो। सभी नोडल अधिकारी और ग्राम प्रभारी अधिकारी शिविरों में उपस्थित रहें और सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं, सेवाओं से लाभान्वित किया जाए। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें और इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी लगन और मेहनत से कार्य करें। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि शिविरों में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, वॉलेंटियर्स की सहभागिता सुनिश्चित कराएं, यह शासन और आमजन के बीच सेतु का कार्य करेंगे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविरों में चिन्हित विभागों/मंत्रालयों की 25 योजनाओं गतिविधियों का शत प्रतिशत सैचुरेशन किया जाए। शत-प्रतिशत सैचुरेशन नहीं होने पर पुनः शिविर आयोजित किए जाएं। इसी प्रकार विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जाएं जिनमें महिलाओं तथा युवाओं की सहभागिता हो। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामों में 30 जून तक आयोजित होने वाले शिविरों में हितग्राहियों के आधार कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ई-श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान रजिस्ट्रेशन, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, छात्रवृत्ति, सुकन्या समृद्धि योजना, समग्र आईडी, ई-केवायसी, जाति प्रमाण पत्र, प्रोफाइल पंजीयन, बैंक खाते खोलने सहित विभिन्न योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति की कार्यवाही की जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा भी अधिकारियों तथा जनपद सीईओ को दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डिप्टी कलेक्टर्स, एसडीएम रायसेन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से एसडीएम, जनपद सीईओ तथा अन्य विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय युवा संगम मेला 25 जून को उदयपुरा में

रायसेन (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में दिनांक 25 जून 2025 को जनपद पंचायत उदयपुरा में जिला स्तरीय युवा संगम मेले का आयोजन किया गया है। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वधान में आयोजित यह युवा संगम मेला 25 जून को प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 04 बजे तक आयोजित किया गया है। इस युवा संगम मेले के माध्यम से युवाओं को विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने के साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

संपादकीय

दुर्घटना से सीख नहीं ले रहा शासन-प्रशासन

अहमदाबाद में पिछले सप्ताह एअर इंडिया का एक विमान उड़ाने भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद बीते रविवार को केदारनाथ के पास श्रद्धालुओं को लेकर आ रहा हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई। उसी दिन 242 हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचे सऊदी एअरलाइंस के एक विमान के उतरते समय उसके पहियों से धुआं निकलने की घटना हुई। सोमवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण वापस हांगकांग जाना पड़ा।इन सभी घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उड़ान परिचालन के नियमों और दिशा-निर्देशों में कहीं कोई खामी है या फिर इनका पालन करने में कोताही बरती जा रही है? इस तरह के हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से लेकर विमानन कंपनियों की ओर से धरातल पर पुख्ता बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए हैं?उत्तराखंड में केदारनाथ के पास गौरीकुंड में हुए हेलिकाप्टर हादसे ने इन सवालों को और गंभीर बना दिया है। इस हेलिकाप्टर का संचालन कर रही कंपनी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। पुलिस में दर्ज मामले में कहा गया है कि हेलिकाप्टर के संचालन के लिए सुबह छह से सात बजे तक का प्रथम स्लाट आबंटित किया गया था, जबकि यह दुर्घटना उससे पहले ही सुबह साढ़े पांच बजे हुई है। अगर यह दावा सही है, तो साफ है कि हेलिकाप्टर ने तय समय से पहले ही उड़ान भर ली थी।उस दिन सुबह से ही धुंध छाई हुई थी और उड़ान भरने से पहले मौसम की स्थिति को ठीक से नहीं जांचा गया। कोई दोराय नहीं है कि चारधाम यात्रा के लिए हेलिकाप्टर सेवाएं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों को, जिनके लिए यह यात्रा मुश्किल भरी होती है। मगर, हवाई यात्रा को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी राज्य व केंद्र सरकार पर भी है। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे के बाद कहा कि चारधाम में सेवा दे रहे पायलटों के हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच होगी।मगर, सवाल यह है कि कोई बड़ा हादसा होने से पहले ही एहतियाती तौर पर इस तरह के इंतजाम क्यों नहीं किए जाते। इस साल चारधाम मार्ग पर हादसे या हेलिकाप्टर को आपात स्थिति में उतारने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले आठ मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में निजी कंपनी का हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी।ऐसी ही एक भयावह घटना रविवार को महाराष्ट्र के पुणे में हुई, जहां इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल ढह गया। इस पुल को जिला प्रशासन ने खतरनाक घोषित किया था और चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए थे। पर क्या सिर्फ चेतावनी बोर्ड लगाने से सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है? अगर वह जीर्णावस्था में था, तो पर्यटकों के वहां जाने पर पूर्ण रोक क्यों नहीं लगाई गई। किसी भी स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी न हो।

रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजरायल-ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजरायल-ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है।

इजरायल-ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

(प्रह्लाद सबनानी)

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं।

रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजरायल-ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजरायल-ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजरायल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके।

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं

करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजरायल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजरायल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजरायल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूती आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजरायल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ोसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजरायल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजरायल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजरायल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजरायल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजरायल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में ञ्चवसुधैव कुटुम्बकमप्त; ञ्चसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायप्त एवं ञ्चसर्वे भवंतु सुखिनप्स की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजरायल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता।

उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही ञ्चवसुधैव कुटुम्बकमप्त की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

(ललित गर्ग)

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है।

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को 'देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है।

परमाणु युग की शुरुआत से निशाने पर रहे हैं परमाणु वैज्ञानिक

ईरान के परमाणु कार्यक्रम और सैन्य क्षमताओं को कमजोर और खत्म करने के लिए 13 जून को शुरू किए गए इजराइल के 'आपरेशन राइजिंग लॉयन' में अब तक 15 परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की खबर है। मारे गये लोगों में ईरान के इस्लामिक आजाद विश्वविद्यालय के प्रमुख और सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी मोहम्मद मेहदी तेहरानची और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन का नेतृत्व करने वाले परमाणु इंजीनियर फेरेयदून अब्बासी-दवानी भी शामिल थे। हम आपको बता दें कि भौतिकी और इंजीनियरिंग के ये विशेषज्ञ मोहसिन फखरीजादेह के संभावित उत्तराधिकारी थे, जिन्हें ईरान के परमाणु कार्यक्रम के वास्तुकार के रूप में माना जाता था।

(नीरज कुमार दुबे)

वैसे परमाणु वैज्ञानिकों को परमाणु युग की शुरुआत से ही निशाना बनाया जाता रहा है। 1944 से 2025 तक के आंकड़े यही दर्शाते हैं। एक शोध रिपोर्ट यह भी बताती है कि वैज्ञानिकों को निशाना बनाने का कोई फायदा नहीं होता।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम और सैन्य क्षमताओं को कमजोर और खत्म करने के लिए 13 जून को शुरू किए गए इजराइल के 'आपरेशन राइजिंग लॉयन' में अब तक 15 परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की खबर है। मारे गये लोगों में ईरान के इस्लामिक आजाद विश्वविद्यालय के प्रमुख और सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी मोहम्मद मेहदी तेहरानची और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन का नेतृत्व करने वाले परमाणु इंजीनियर फेरेयदून अब्बासी-दवानी भी शामिल थे। हम आपको बता दें कि भौतिकी और इंजीनियरिंग के ये विशेषज्ञ मोहसिन फखरीजादेह के संभावित उत्तराधिकारी थे, जिन्हें ईरान के परमाणु कार्यक्रम के वास्तुकार के रूप में माना जाता था। हम आपको याद दिला दें कि फखरीजादेह की नवंबर 2020 में एक हमले में मौत हो गई थी, जिसके लिए कई लोग इजराइल को दोषी मानते हैं।

वैसे परमाणु वैज्ञानिकों को परमाणु युग की शुरुआत से ही निशाना बनाया जाता रहा है। 1944 से 2025 तक के आंकड़े यही दर्शाते हैं। एक शोध रिपोर्ट यह भी बताती है कि वैज्ञानिकों को निशाना बनाने का कोई फायदा नहीं होता। किसी वैज्ञानिक को खत्म करने से परमाणु कार्यक्रम में देरी तो हो सकती है, लेकिन कोई कार्यक्रम पूरी तरह से खत्म होने की संभावना नहीं होती। बल्कि इससे किसी देश की परमाणु हथियार बनाने की इच्छा बढ़ भी सकती है। हम आपको बता दें कि परमाणु वैज्ञानिकों पर सबसे ज़्यादा हमले अमेरिका और इजराइल ने किए हैं। ऐसे हमलों के पीछे ब्रिटेन और सोवियत संघ का भी हाथ रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जब मित्र राष्ट्र और सोवियत संघ नाज़ी वैज्ञानिकों को पकड़ने की होड़ में लगे थे, तभी से परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाने की शुरुआत हुई थी। इसका उद्देश्य था हिटलर की परमाणु बम बनाने की क्षमता को कमज़ोर करना और उन वैज्ञानिकों की विशेषज्ञता का इस्तेमाल अपने-अपने परमाणु कार्यक्रमों में करना। हम आपको यह भी बता दें कि मिस्र, ईरान और इराकी परमाणु कार्यक्रमों के लिए काम करने वाले वैज्ञानिक 1950 के बाद से सबसे अधिक बार निशाना बने हैं। वर्तमान इजराइली अभियान से पहले, ईरानी परमाणु कार्यक्रम में शामिल 10 वैज्ञानिक हमलों में मारे जा चुके हैं। इस तरह, परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाना केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि एक भू-राजनीतिक हथियार बन चुका है, जहाँ वैज्ञानिक प्रतिभा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

अक्सर देखने को मिलता है कि अगर कोई देश किसी दूसरे देश को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना चाहता है, तो उसके लिए कई तरीके मौजूद हैं। वैज्ञानिकों को निशाना बनाने के साथ-साथ प्रतिबंध, कूटनीति, साइबर हमले और सैन्य बल का भी इस्तेमाल किया जाता है। वैज्ञानिकों को निशाना बनाए जाने से किसी देश की महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विशेषज्ञता खत्म हो सकती है और लागत बढ़ सकती है जिससे परमाणु हथियार बनाने में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वैज्ञानिकों को निशाना बनाने के समर्थकों का तर्क है कि ऐसा करने से किसी देश के प्रयास कमजोर हो सकते हैं और उसे परमाणु विकास जारी रखने से रोका जा सकता है। इसलिए वैज्ञानिकों को निशाना बनाने वाले देशों का मानना है कि ऐसा करना किसी विरोधी के परमाणु कार्यक्रम को कमजोर करने का एक प्रभावी तरीका है।

इसके अलावा, कई देश पहले से ही गुप्त रूप से व्यक्तिगत तौर पर वैज्ञानिकों को निशाना बनाते रहे हैं। लेकिन हाल ही में कई वैज्ञानिकों पर खुलेआम हमला हुआ और इजराइल ने जिम्मेदारी लेते हुए हमलों का उद्देश्य भी बताया। वैज्ञानिकों के खिलाफ इस तरह के हमले ऐतिहासिक रूप से कम तकनीकी और कम लागत वाले होते हैं। इसमें बंदूकधारियों, कार बम या दुर्घटनाओं के जरिए वैज्ञानिकों की हत्या की जाती है या उन्हें घायल कर दिया जाता है। हम आपको याद दिला दें कि सबसे हालिया हमलों में जान गंवाने वाले अब्बासी तेहरान में 2010 में हुए कार बम विस्फोट में बच गए थे। हालांकि, फखरीजादेह की हत्या समेत कुछ अपवाद भी हैं, जिसमें रिमोट से संचालित मशीन गन को तस्करी करके ईरान पहुंचाया गया था। हम आपको याद दिला दें कि 1980 में, इजराइल की खुफिया सेवा मोसाद ने इराकी परमाणु परियोजना में शामिल यूरोपीय लोगों के लिए चेतावनी देते हुए इतालवी इंजीनियर मारियो फियोरेली के घर और उनकी कंपनी एसएनआईए टेकइंट पर बमबारी की थी। वहीं ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना, अलग-अलग समय में इजराइली प्रधानमंत्रियों का रणनीतिक लक्ष्य रहा है। ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम क्यों आगे बढ़ाया यह सवाल तेहरान से पूछा जा रहा है मगर परिस्थितियां बता रही हैं कि यह उसकी मजबूरी बन गयी थी। दरअसल इजराइल ईरान के छद्म संगठनों हमास और हिजबुल्लाह के नेतृत्व और बुनियादी ढांचे को व्यवस्थित रूप से कमजोर कर चुका था। बाद में इजराइल ने ईरान के आसपास तथा प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों के निकट हवाई सुरक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। सीरिया में असद शासन के पतन के कारण ईरान को अपना एक और पुराना सहयोगी खोना पड़ा। इन सभी घटनाक्रमों ने ईरान को काफी कमजोर कर दिया, जिससे बाहरी हमलों का सामना करने में मुश्किलें आईं। अपने छद्म संगठनों और पारंपरिक सैन्य क्षमता के कमजोर हो जाने के बाद ईरान के नेताओं ने सोचा होगा कि अपनी संवर्धन क्षमता बढ़ाना ही आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छा विकल्प होगा।

बताया जाता है कि इजराइल के हालिया हमले से पहले के महीनों में, ईरान ने अपनी परमाणु उत्पादन क्षमता का विस्तार करते हुए यूरेनियम संवर्धन 60 प्रतिशत से आगे बढ़ा दिया, जो हथियार बनाने के लिए जरूरी स्तर से थोड़ा कम था। हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' ने पाया था कि ईरान परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा। जवाब में, ईरान ने घोषणा की थी कि वह उन्नत सेंट्रीफ्यूज तकनीक और एक तीसरा संवर्धन संयंत्र स्थापित करके अपनी संवर्धन क्षमता को और बढ़ा रहा है। यह सब देख इजराइल को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ और उसने हमलों की शुरुआत से ही ईरान के परमाणु संयंत्रों और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाने पर रखा। बहरहाल, वैज्ञानिकों को निशाना बनाना परमाणु प्रसार को रोकने का एक प्रभावी साधन है या नहीं, यह सवाल परमाणु युग की शुरुआत से ही उठता रहा है और आगे भी उठता रहेगा।

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

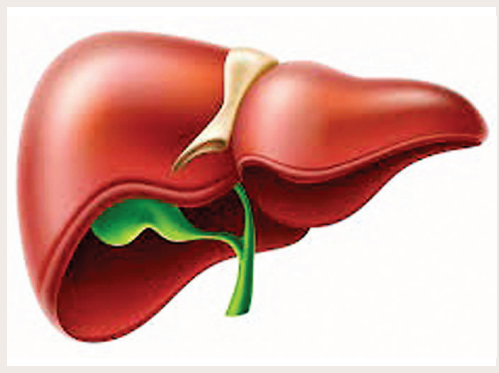

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

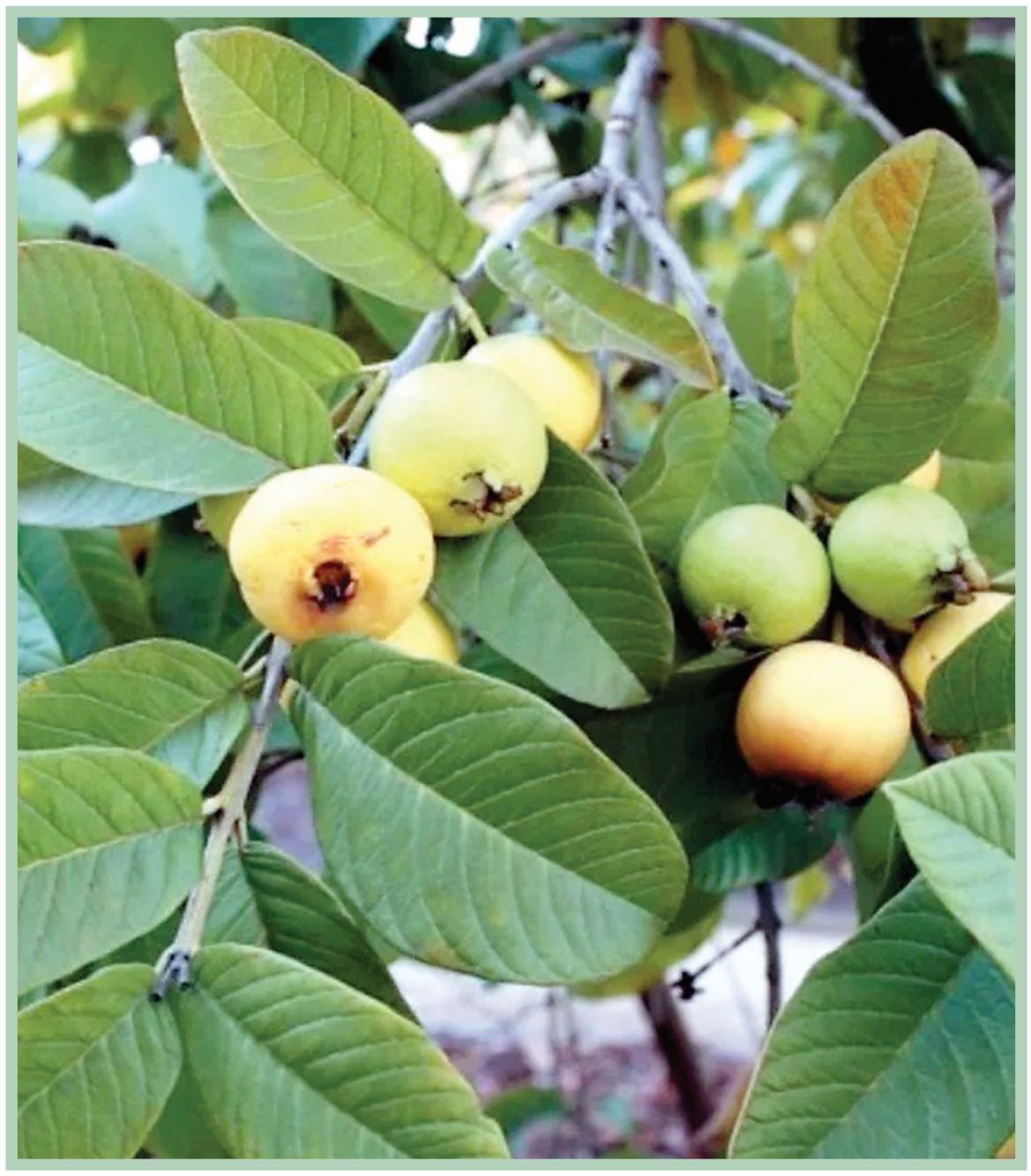

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मजबूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताज़ा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा यह स्टॉक, रिकॉर्ड डेट अगले हफ्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में अगले हफ्ते कई कंपनियां एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेंगी। इन कंपनियों की लिस्ट में एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड भी है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में होने जा रहा है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। बता दें, बीते कुछ सालों से यह स्टॉक शेयर बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

किस दिन है रिकॉर्ड डेट- मल्टीबैगर स्टॉक एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस शेयरों के बंटवारे के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति हो जाएगा। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 25 जून की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इस दिन कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में कर दिया जाएगा।

हाबिल्ड ने रचा इतिहास: योग दिवस पर बनी दुनिया की सबसे बड़ी ऑनलाइन योग कक्षा

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक प्रभावशाली उत्सव के रूप में, भारत का पहला आदत-निर्माण मंच हाबिल्ड ने 'दुनिया की सबसे बड़ी ऑनलाइन योग कक्षा में भागीदारी' का नया विश्व रिकॉर्ड बनाकर एक वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया है। आधिकारिक विश्व रिकॉर्ड द्वारा प्रमाणित इस आयोजन में, 21 जून की सुबह 7,52,074 प्रतिभागियों ने 169+ देशों से एक साथ जुड़कर, सौरभ बोथरा द्वारा आयोजित एक समन्वित और मार्गदर्शित योग सत्र में भाग लिया। यह 45 मिनट का सत्र नागपुर से लाइव स्ट्रीम किया गया और वैश्विक स्तर पर सभी के लिए सुलभ था। इसमें 169 से अधिक देशों के योग साधकों ने भाग लिया, जिससे यह सबसे समावेशी और व्यापक योग आयोजनों में से एक बन गया। अब तक यह हाबिल्ड का पाँचवां विश्व रिकॉर्ड है। जनवरी 2024 में, इसने यूट्यूब पर योग लाइव स्ट्रीम को 2,46,252 दर्शकों के साथ गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया था। इसके बाद विश्व रिकॉर्ड संघ द्वारा सबसे ज्यादा एक दिन की लाइव व्यूअरशिप (5,99,162 दर्शक) और एक वर्चुअल ध्यान सत्र में सबसे बड़ी भागीदारी (2,87,711 प्रतिभागी) के लिए भी रिकॉर्ड बनाया। 2023 में भी हाबिल्ड ने 1,34,057 प्रतिभागियों के साथ वर्चुअल योग कक्षा का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। यह योग सत्र हाबिल्ड की 21-दिवसीय हरघरयोग पहल का समापन था, जिसका उद्देश्य था लोगों को मुफ़्त, मार्गदर्शित सत्रों के माध्यम से रोज़ाना योग की आदत डालने के लिए प्रेरित करना।

किसानों ने श्रीराम ड्रिपइट वेजिटेबल के साथ सफलता का परचम लहराया

छिंदवाडा। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स (एसएफएस) ने 18 जून, 2025 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के मोर्शी में एक भव्य मेगा किसान बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र और पड़ोसी मध्य प्रदेश के 300 प्रगतिशील किसानों और छह प्रमुख डीलरों ने भाग लिया। इस बैठक का मुख्य आकर्षण श्रीराम ड्रिपइट वेजिटेबल था, जो विशेष रूप से उच्च-मूल्य वाली सब्ज़ी फसलों, खासतौर पर मिर्च और टमाटर जो इस कार्यक्रम की मुख्य फसलें थीं, की खेती को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। ह्यकार्यक्रम के दौरान कई किसानों ने अपनी प्रेरक सफलता की कहानियां साझा कीं। इनमें से एक, मोर्शी, अमरावती के प्रगतिशील किसान अंकुश ताइवाड़े ने बताया कि कैसे ड्रिप सिंचित मिर्च के खेतों में श्रीराम ड्रिपइट वेजिटेबल के उपयोग से उनकी उपज में 20-25प्रतिशत की वृद्धि हुई। ड्रिप लाइनों के तहत पोषक तत्वों की सटीक आपूर्ति ने उनकी मिर्च को स्वस्थ, चमकदार और 9-10 सेमी की लंबाई का बना दिया।

भारत में यूएई और सऊदी अरब से अचानक आ रहा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों ने वापस अपने वतन में पैसे भेजना बढ़ा दिया है। इसकी वजह है भारतीय रुपये की कीमत में गिरावट। रुपया एईडी (यूएई की मुद्रा) के मुकाबले कमजोर हो गया है। अब एक एईडी की कीमत लगभग 23.5 रुपये हो गई है। यह अप्रैल की शुरुआत के बाद सबसे कम है। गल्फ न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, रुपये की कीमत गिरने से एनआराअइ (अनिवासी भारतीय) अपने घर पैसे भेजने के लिए जल्दी कर रहे हैं।

गुरुवार 19 जून से लेनदेन में तेजी देखी जा रही है। करेंसी एक्सचेंज हाउस के अधिकारियों का कहना है कि एनआरआई अब और गिरावट का इंतजार नहीं कर रहे हैं। जिनके पास भी थोड़े पैसे हैं, वे तुरंत भेज रहे हैं। यूएई के एक एक्सचेंज हाउस के बड़े अधिकारी ने गल्फ न्यूज को बताया, पिछला गुरुवार ं पैसे भेजने के लिए हाल के हफ्तों में सबसे अच्छा दिन था। उन्होंने यह भी कहा कि रुपया भले ही थोड़ी देर के लिए 23.46 तक मजबूत हुआ था। लेकिन, ज्यादातर एनआरआई ने पैसे भेजना जारी रखा।

जून में अक्सर घटती है पैसा भेजने की मात्रा- आमतौर पर जून में पैसे भेजने की मात्रा कम हो जाती है। कारण है कि कई भारतीय लोगों को गर्मी की छुट्टियों में यात्रा और दूसरे खर्च होते हैं। लेकिन, इस बार रुपये की कीमत में गिरावट की वजह से यह पैटर्न बदल गया है। वीकेंड में भी पैसे भेजने की मात्रा स्थिर रही और सोमवार तक मजबूत रहने की उम्मीद है।

एक्सचेंज हाउस के अधिकारियों का कहना है कि अगर रुपया कमजोर रहता है या जुलाई में और गिरता है तो पैसे भेजने वालों को फायदा होगा। एक अधिकारी ने कहा, अगर दरें इसी स्तर पर बनी रहती हैं या फिर से गिरती हैं तो यह दोहरा फायदा होगा।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद आई है तेजी

यह तेजी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद आई है। इसमें इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भी शामिल है। आमतौर पर ऐसी घटनाओं से निवेशक सुरक्षित ठिकाने के तौर पर अमेरिकी डॉलर की ओर रुख करते हैं। लेकिन, इस बार सोने ने वह भूमिका निभाई है। जबकि डॉलर कमजोर बना हुआ है, जिससे रुपये को कुछ सहारा मिल रहा है।

सरल शब्दों में कहें तो रुपये की कीमत में गिरावट एनआरआइ के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। वे कम, श्रेष्ठ देकर ज्यादा रुपये भारत भेज पा रहे हैं। इसलिए वे इस मौके का फायदा उठा रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा पैसे अपने घर भेज रहे हैं। भले ही दुनिया में कुछ तनाव चल रहा है, लेकिन रुपये की कमजोरी ने एनआरआइ को पैसे भेजने के लिए प्रोत्साहित किया है।

80 साल के शख्स ने एक हफ्ते में कमा डाले 3.4 लाख करोड़ रुपये, अब सिर्फ एलन मस्क से पीछे

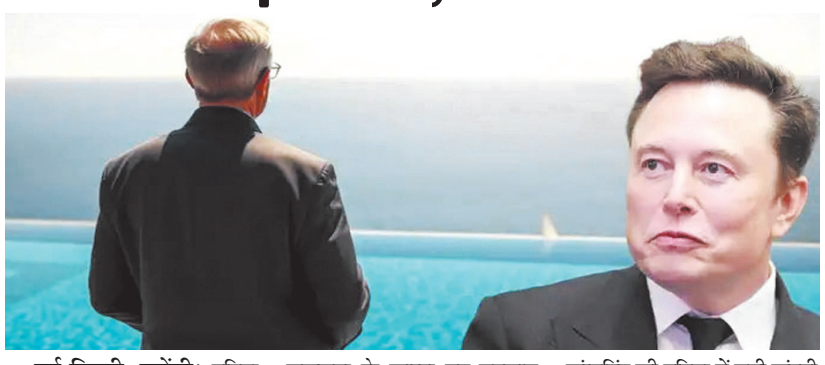

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में बड़ा उलटफेर हो गया है। एक बड़े बदलाव में जेफ बेजोस और मार्क जुकरबर्ग को पीछे छोड़कर ओरेकल के को-फाउंडर लैरी एलिसन दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी बन गए हैं। उनकी कंपनी के शेयरों में तेज उछाल आया है। इससे उनकी संपत्ति में 4 करोड़ डॉलर (करीब 3.4 लाख करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी हुई। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, लैरी एलिसन की संपत्ति अब 250.9 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। वह अब टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क से ही पीछे हैं। मस्की की संपत्ति 405.8 अरब है। ओरेकल के क्लाउड कंप्यूटिंग बिजनेस में सफलता के कारण यह बदलाव आया है।

ओरेकल के अच्छे नतीजों के कारण कंपनी के शेयर तेजी से बढ़े। एलिसन के पास कंपनी के लगभग 41 प्रतिशत शेयर हैं। इससे उनकी संपत्ति एक ही दिन में 25 अरब डॉलर बढ़ गई। इसके तुरंत बाद उनकी संपत्ति में 16 अरब डॉलर की और बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की संपत्ति 229 अरब डॉलर है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति 240 अरब डॉलर है।

लैरी एलिसन 80 साल के हैं। उन्होंने 1977 में ओरेकल कंपनी की शुरुआत की थी। यह कंपनी डेटाबेस सॉफ्टवेयर बनाती थी। धीरे-धीरे यह कंपनी क्लाउड कंप्यूटिंग की दुनिया में बड़ी कंपनी बन गई। एलिसन अक्सर दुनिया के 10 सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में शामिल रहते हैं।

एलिसन अपनी मजबूत पर्सनालिटी और शानदार जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। 2012 में उन्होंने हवाई के छठे सबसे बड़े द्वीप लनाई का 98 प्रतिशत हिस्सा लगभग 30 करोड़ डॉलर में खरीदा था। वह एक लाइसेंस प्राप्त पायलट भी हैं। उनके पास मिलिट्री एयरक्राफ्ट भी हैं।

दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक होने के बावजूद एलिसन ने कई सालों तक सिर्फ 1 डॉलर का बेस वेतन लिया। वह बड़े बोनस और स्टॉक ऑप्शन पर निर्भर रहे।

एलन मस्क के साथ दोस्ती

एलिसन ने 2018 में कहा था, मुझे नहीं पता कि कितने लोग जानते हैं, लेकिन मैं एलन मस्क का बहुत करीबी दोस्त हूं और मैं टेस्ला में एक बड़ा निवेशक हूं। उसी साल मस्क ने उन्हें टेस्ला के बोर्ड में शामिल किया था।

एलिसन ने कई बार मस्क का बचाव किया है। उन्होंने मस्क के व्यवहार को लेकर हुई आलोचनाओं के बीच भी उनका साथ दिया। खबरों के अनुसार, उन्होंने एक बार मस्क को उनके कथित ड्रग इस्तेमाल की खबरों के बाद अपने हवाई स्थित एस्टेट में ड्राई आउट करने के लिए बुलाया था। ड्राई आउट का मतलब है नशे से दूर रहने के लिए। एलिसन ने मस्क को नशे से दूर रहने में मदद करने की पेशकश की थी।

बिजनेस लीडर्स दुखद हादसे के बाद एयर इंडिया के साथ खड़े

मुंबई, एजेंसी। अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास 12 जून को हुए बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर दुर्घटना में 275 लोगों की जान चली गई। इस त्रासदी के बाद, जहां काफी लोग एयर इंडिया के लिए सवाल उठा रहे थे वहीं जाने-माने बिज़नेस और एविएशन लीडर्स एयर इंडिया का बचाव करने के लिए सामने आए हैं।

लंदन गैटविक जाने वाली यह फ्लाइट उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई, और इस घटना ने टाटा ग्रुप की इस एयरलाइन के लिए इंडस्ट्री में पहले कभी न देखी गई एकजुटता दिखाई है।

कैप्टन किशोर चिंता, जो पहले भारत के एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के एक अनुभवी जांचकर्ता रह चुके हैं, ने इस घटना की असाधारण प्रकृति के बारे में अहम जानकारी दी। चिंता ने बीबीसी को बताया कि यह दुर्घटना विमानन में सबसे दुर्लभ से दुर्लभतम परिस्थितियों में से एक है। उन्होंने जोर देकर कहा, मेरी जानकारी में, ऐसा पहले कभी कुछ नहीं हुआ।

आरपीजी ग्रुप के बिज़नेस लीडर हर्ष गोयनका ने एयरलाइन के संकट प्रबंधन के तरीके का जोरदार समर्थन किया है। द इकोनॉमिक टाइम्स में लिखते हुए, गोयनका ने टाटा ग्रुप की पिछली आपात स्थितियों, खासकर 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों, के दौरान की प्रतिक्रियाओं से तुलना की।

गोयनका ने लिखा, यहीं पर टाटा ग्रुप अलग खड़ा होता है। कोई बहाना नहीं था, उन्होंने दिखाई गई लीडरशिप और वास्तविक प्रतिक्रिया की तारीफ की, जिसने कॉर्पोरेट संकट संचार की आम गलतियों से बचा।

समर्थन करने वालों में पूर्व जेट एयरवेज के मुख्य कार्यकारी संजीव कपूर भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने एयर इंडिया के ऑपरेशंस पर प्रतिबंध लगाने की मांगों का विरोध किया है। कपूर ने आलोचकों को एयरलाइन के दशकों पुराने शानदार सुरक्षा रिकॉर्ड की याद दिलाई। कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, एयर इंडिया का दशकों से शानदार सुरक्षा रिकॉर्ड रहा है। एक त्रासदी और लोग अपना सारा नज़रिया खो देते हैं।

एविएशन एक्सपर्ट ने बताया कि बोइंग 787 विमान प्रकार ने एआई171 घटना से पहले दुनिया भर में 5 मिलियन से अधिक उड़ान संचालन किए थे, बिना किसी पिछली दुर्घटना या मौत के। कपूर ने कहा, उड़ना अभी भी परिवहन का सबसे सुरक्षित रूप है।

यह इंडस्ट्री की प्रतिक्रिया एयर इंडिया के तुरंत संकट मोचन को मान्यता देती है, जिसमें सीईओ कैंपबेल विल्सन और चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन दोनों तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचे।चंद्रशेखरन ने लगातार जवाबदेही का वादा किया है, यह कहते हुए कि समूह अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटेगा। टाटा ग्रुप ने प्रत्येक पीड़ित परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की घोषणा की है।

कोका-कोला इंडिया रथ यात्रा 2025 में जोड़ेगा ताज़गी का रंग

दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में से एकपुरी की रथ यात्रामें इस सालकोका-कोला इंडियापूरे जोश से भाग लेने जा रहा है। 27 जून से 5 जुलाई 2025 तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में, कंपनी अपने ताज़ा ड्रिंक्स के साथ मौजूद रहेगी। इससे पहले महाकुंभ में मिली सफलता के बाद, कोका-कोला अब ओडिशा की पावन धरती पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

कोका-कोला, थम्स अप, स्प्राइट, फैंटा, माज़ा, लिम्का, लिम्का ग्लूकोचार्ज, चार्ज्ड और किन्ले जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स के ज़रिए कंपनी ना सिर्फ अपनी पेय उपलब्धता बढ़ाएगी, बल्कि रंगारंग ब्रांड गतिविधियों और सांस्कृतिक जुड़ाव के ज़रिए उत्सव का अनुभव और भी खास बनाएगी। कंपनी स्थानीय दुकानदारों और विक्रेताओं के साथ मिलकर रोज़गार के अवसर भी सृजित करेगी और सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव को भी बढ़ावा देगी।

इस अवसर पर कोका-कोला इंडिया 'किन्ले' की रथ यात्रा थीम वाली विशेष पैकेजिंगलॉन्च करेगी, जो ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को सम्मान देती है और इस क्षेत्र की पहचान को दर्शाती है। साथ ही,

कंपनी किफायती मूल्यवर्ग में पेय उपलब्ध कराएगी ताकि रथ यात्रा के हर ज़ायरीन तक इन पेयों की पहुंच हो सके।

रथ मार्ग, समुद्र तट, बाज़ार, हाईवे, ट्रांजिट हब और स्थानीय कियोस्क जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों परहाइड्रेशन कार्ट्स, आकर्षकआउट-ऑफ-होम डिस्प्लेऔरकूलर वॉलके ज़रिए उपभोक्ताओं से जुड़ाव बढ़ाया जाएगा। ये हाइड्रेशन कार्ट्स स्थानीय विक्रेताओं और छोटे कारोबारियों को कमाई का साधन भी प्रदान करेंगे।

विनय नायर, वाइस प्रेसिडेंट, फ्रैंचाइज़ी ऑपरेशंस, कोका-कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया ने कहा,रथ यात्रा ओडिशा का बेहद खास और जनभागीदारी से भरा उत्सव है। हमारा उद्देश्य है कि इस आयोजन के दौरान हर किसी को तरोताज़ा और हाइड्रेटेड रखा जाए। हम रीसाइक्लिंग जैसे अहम विषयों पर जागरूकता बढ़ाने और सामाजिक बदलाव लाने के लिए कई पहलों पर काम कर रहे हैं।

कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन (आनंदना) और हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी)ने पुरी नगर पालिका के साथ मिलकर 'यूज़्ड पीईटी बॉटल-फ्री रथ यात्रा 2025' अभियान की शुरुआत की है।मैदान साफपहल के तहत इस अभियान का लक्ष्य प्लास्टिक कचरे को कम करना और आम जनता को रीसाइक्लिंग के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत 180 से अधिक प्रशिक्षित स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे और स्वर्गद्वार बीच, पुरी रेलवे स्टेशन और बडासंखा जैसे मुख्य स्थलों पर 200 से ज़्यादा पीईटी कलेक्शन बिन लगाए जाएंगे।

जैसे-जैसे रथ यात्रा पुरी की पवित्र गलियों से आगे बढ़ेगी, कोका-कोला इंडिया हर बोतल के साथ ताज़गी और हर पल के साथ यादेंदेने के लिए तैयार है।

सैमसंग 27 जून को भारत में लॉन्च करेगा गैलेक्सी एम36 5जी, सेगमेंट में सबसे दमदार फीचर्स के साथ

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग 27 जून को अपना नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम36 5जी लॉन्च करने जा रहा है। बेहद लोकप्रिय गैलेक्सी रूसीरीज़ का यह नया मॉडल स्टाइलिश डिज़ाइन, एडवांस तकनीक और एआई फीचर्स का ऐसा शानदार मेल पेश करेगा, जो भारतीय यूज़र्स के लिए स्मार्टफोन के अनुभव को और भी बेहतर बना देगा।

युवा उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया गैलेक्सी एम36 5जी अब और स्मार्ट हो गया है। इसमें गूगल का नया सर्किल टू सर्च फीचर दिया गया है, जिससे आप किसी भी इमेज, टेक्स्ट या गाने को केवल घेरा बनाकर तुरंत सर्च कर सकते हैं – वह भी बिना ऐप बदले। यह आसान और तेज़ अनुभव सैमसंग और

गूगल की साझेदारी का परिणाम है। इसके साथ ही, फोन में गूगल जेमिनी एआई तकनीक की भी गहरी इंटीग्रेशन मिलेगी, जिससे यह आपके उपयोग की आदतों के अनुसार और समझदारी से काम करेगा।

डिज़ाइन के मामले में भी गैलेक्सी एम36 5जी कमाल का है। यह फोन महज़ 7.7एमएम पतला है, जिससे यह हाथ में पकड़ने में बेहद हल्का और सुविधाजनक लगता है। इसके साथ कॉर्निंग0 गोरिल्ला0 ग्लास विक्टस0 का मज़बूत सुरक्षा कवच दिया गया है, जो गिरने या खरोंच से फोन को बचाता है। यह स्मार्टफोन तीन नए शानदार रंगों – वेलवेट ब्लैक, सरीन ग्रीन और ऑरेंज हेज में उपलब्ध होगा, जो हर उम्र और स्टाइल के लोगों को पसंद आएंगे।

कैमरा की बात करें तो गैलेक्सी एम36 5जी में एडवांस 50 एमपी ओआइएस ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया गया है, जो दिन हो या रात - हर फोटो को साफ, शार्प और डिटेल के साथ कैप्चर करता है। इसका ऑटो नाइट मोड लो-लाइट में भी शानदार नतीजे देता है और नाइट फोटोग्राफी को एक नए स्तर पर ले जाता है। खास बात यह है कि यूज़र्स फ्रंट और रियर - दोनों कैमरों से 4क वीडियो रिकॉर्डिंग कर सकेंगे, जिससे हर रंग और

अवादा फाउंडेशन द्वारा मध्य प्रदेश के डोंगला में कर्क रेखा पर स्थित अनूठे तारामंडल का मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया लोकार्पण

डोंगला (मध्य प्रदेश)। वैज्ञानिक सोच और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, अवादा ग्रुप की सामाजिक शाखा अवादा फाउंडेशन ने आचार्य वराह मिहिर न्यास के साथ मिलकर मध्यप्रदेश के डोंगला गांव में स्थापित अत्याधुनिक तारामंडल स्थापित किया है। यह देश का पहला ऐसा तारामंडल है जो कर्क रेखा पर स्थित है, और आज, 21 जून को सूर्य ठीक सिर के ऊपर दिखाई देने वाली विशेष खगोलीय घटना का साक्षी बन रहा है । इस ऐतिहासिक अवसर पर, मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने तारामंडल का औपचारिक लोकार्पण किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा, इस खगोलीय विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र में तारामंडल की बहुत आवश्यकता थी हम धन्यवाद करते हैं अवादा फाउंडेशन का जिन्होंने इसे बनाने में सहयोग दिया। अवादा फाउंडेशन और आचार्य वराह मिहिर न्यास के पदाधिकारियों के सौजन्य और अथक प्रयासों से तैयार हुआ यह प्लेनेटेरियम, अब भारत भर के बच्चों, युवाओं और बड़ों को अनुभव-आधारित शिक्षा के माध्यम से अंतरिक्ष के ज्ञान को समझने का अवसर प्रदान करेगा। यह ग्रामीण बच्चों को खगोलशास्त्र और विज्ञान का सीधा अनुभव देगा, सीखते हुए करना की पद्धति को बढ़ावा देगा, और प्राचीन भारतीय खगोलीय परंपराओं को आधुनिक विज्ञान से जोड़ेगा। अवादा फाउंडेशन की निदेशक, श्रीमती ऋतू पटवारी ने कहा, हमारा लक्ष्य बच्चों में विज्ञान, खगोलशास्त्र और तकनीक को प्रत्यक्ष रूप से समझने की जिज्ञासा और रुचि को बढ़ाना है।

वैभव सूर्यवंशी को भी छोड़ा पीछे

भारतीय खिलाड़ी अभिषेक पाठक ने 33 गेंदों में जड़ा शतक, लगाए 15 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में 35 गेंदों में शतक जड़ा था, जो लीग के इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है. वैभव से भी तेज शतक अभिषेक पाठक ने मध्य प्रदेश लीग में जड़ा, उन्होंने मात्र 33 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की. पाठक ने इस विस्फोटक पारी में 90 रन तो सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. अभिषेक भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के बड़े फैन भी हैं और उनसे क्या सीखना चाहते हैं, वो भी मैच के बाद बताया. अभिषेक पाठक सूर्यकुमार यादव के फैन हैं, उनकी इस पारी को देखकर सूर्या भी उनकी तारीफ जरूर करेंगे. शनिवार को हुए मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स टीम में शामिल अभिषेक ने करण तहलियानी के साथ पहले विकेट के लिए 178 रनों की साझेदारी की, 13 ओवर खत्म होने पर अभिषेक आउट हुए लेकिन इससे पहले वह गेंदबाजों की अच्छे से धुनाई कर चुके थे.

अभिषेक पाठक ने 33 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, वह यही नहीं रुके बल्कि इसके बाद भी विस्फोटक पारी जारी रखी. उन्होंने 48 गेंदों में 133 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने 15 छक्के और 7 चौके जड़े. यानी सिर्फ 90 रन तो उन्होंने छक्कों से ही बना डाले.

अभिषेक ने दूसरे ही ओवर में 3 छक्के लगाने के बाद चौथे ओवर में रितेश शाक्या की गेंदों पर लगातार 4 छक्के जड़े. जबलपुर रॉयल लायंस के लिए सबसे ज्यादा रन रितेश ने ही दिए, उन्होंने अपने 4 ओवरों के स्पेल में 53 रन खर्चे. अनुभव अग्रवाल ने 3 ओवरों में 43 रन दिए.

सूर्यकुमार यादव जैसा बनना चाहते हैं अभिषेक पाठक

मैच के बाद अभिषेक ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया. मैंने 16, 19 और 23 में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया. मैंने सईद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी खेला है, ये सफर शानदार रहा है. पिछले साल भी मैंने एमपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था, मुझे नहीं लगता कि जल्द ही आईपीएल में भी खेल पाऊंगा. मुझे जहां भी खेलने का मौका मिला है, मैं सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करने और ज्यादा रन बनाने के बारे में सोचता हूं. मैं सूर्यकुमार यादव जैसी निरंतरता सीखना चाहता हूं, इसी पर मैं काम कर रहा हूं.

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट

9वें टेस्ट शतक से चूके ब्रूक

प्रसिद्ध ने 99 पर किया आउट; इंग्लैंड का स्कोर 400 के पार

लीड्स, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी हेडिंग्ले टेस्ट का तीसरा दिन है। पहली पारी में भारत ने 471 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल 209/3 के स्कोर से शुरू किया है। हैरी ब्रूक अपने नौवें टेस्ट शतक से सिर्फ एक रन से चूक गए। प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट कराया। वह 112 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के की मदद से 99 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेल सकते है जोफ्रा आर्चर

लंदन, एजेंसी। चोटों से प्रभावित तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट खेल सकते हैं क्योंकि वह डरहम में ससेक्स के लिये काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। भारत के खिलाफ एंडरसन तेंदुलकर श्रृंखला के पहले टेस्ट में आर्चर और मार्क वुड के बिना इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिखाई दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'जोफ्रा आर्चर ससेक्स के लिए लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट की टीम में हो सकते हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि वह इस काउंटी मैच के लिये ससेक्स टीम में होंगे। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेले हैं। आर्चर ने 2021 से इंग्लैंड के लिये सिर्फ सफेद गेंद के प्रारूप में खेला है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं।

आंकड़ों के खेल में माहिर है ऋषभ पंत, उसका अपना कम्प्यूटर है: शास्त्री

लीड्स, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ऋषभ पंत के साहसिक और मनोरंजक प्रदर्शन के बाद कहा कि यह आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज आंकड़ों का खेल खूबसूरती से खेलता है और उसके पास अपना कंप्यूटर है जिसे चलाने का तरीका सिर्फ उसे ही पता है। पंत ने दूसरे दिन अपनी अपारंपरिक बल्लेबाजी से हेडिंग्ले के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए मात्र 178 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 134 रन की साहसिक पारी खेली। पैडल स्वीप, शतक के बाद की कलाबाजी, पंत की यादगार पारी में कलात्मकता और पागलपन दोनों ही समान रूप से देखने को मिले। शास्त्री ने कहा, 'पंत आंकड़ों के खेल को खूबसूरती से खेलता है । वह अपने तरीके से खेलता है । वह तेजी से अपने खेल में बदलाव लाने में माहिर है। उसका अपना कम्प्यूटर है और उसे ही पता है कि वह कैसे काम करता है। यह उसका यूएसपी है। इससे गेंदबाज दबाव में आते हैं और वह सुपरहिट हो जाता है। असली मनोरंजन करने वाला और मैच विनर। तीन साल पहले भयानक कार दुर्घटना में बाल-बाल बचे पंत ने मैदान पर सफल वापसी की। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जमाने के बाद मैदान पर गुलाटी मारने वाले पंत के जश्न के बारे में शास्त्री ने कहा, 'इसका एक कारण है। वह इस मौके के लिए ऊपर वाले को धन्यवाद दे रहा था। घुटने टूटे हुए, हर तरफ चोट ही चोट। सर्रे के पूर्व क्रिकेटर इयान वार्ड ने कमेंट्री के दौरान कहा, 'यह (पंत) बाक्स आफिस है। सबसे मनोरंजक क्रिकेटरों में से एक। यह शतक के बेहतरीन जश्न में से है। ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला में मिली हार के दौरान खराब स्कूप शॉट पर विकेट गंवाने वाले पंत के बारे में महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा था, 'स्टुपिड, स्टुपिड, स्टुपिड। लेकिन शनिवार को उन्होंने पंत के शतक के बाद कहा, 'सुपर्ब, सुपर्ब, सुपर्ब।

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड लॉरेंस का 61 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और ग्लूस्टरशायर के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड वैलेंटाइन लॉरेंस का 61 वर्ष की आयु में मोटर न्यूरॉन रोग (एमएनडी) से जूझने के बाद निधन हो गया। 1988 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद, लॉरेंस ने 1988 और 1992 के बीच पांच टेस्ट खेले, जिसमें 18 विकेट लिए, जिसमें 1991 में द ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक प्रसिद्ध पांच विकेट हॉल भी शामिल है - उसी पारी में उन्होंने महान विव रिचर्ड्स को आउट किया था। 1992 में वेलिंगटन, न्यूजीलैंड में एक टेस्ट मैच के दौरान लगी भयानक घुटने की चोट के कारण उनका अंतरराष्ट्रीय करियर दुखद रूप से समाप्त हो गया। 2023 में, उन्हें मोटर न्यूरॉन रोग का पता चला, जो जीवन को छोटा करने वाला एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जो मांसपेशियों की कमजोरी का कारण बनता है जो कुछ महीनों या वर्षों में खराब हो जाता है। लॉरेंस परिवार की ओर से ग्लूस्टरशायर द्वारा साझा किए गए एक बयान में कहा गया, हमें बहुत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि डेव लॉरेंस एमबीई का निधन हो गया है.

National Day Bo&ing:

सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में भारत का शानदार प्रदर्शन, छह मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के छह मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

भारत के छह मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। कजाखस्तान में एलोरडा कप में खेल चुके उत्तर प्रदेश के आदित्य प्रताप (65 किलो) ने तीसरे दौर में स्थानीय मुक्केबाज जोवानी बूजिन को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने (आरएससी) पर हराया। राष्ट्रीय संयुक्त फाइनल्स में रजत पदक विजेता नीरज (75 किलो) ने आरएससी पर दूसरे दौर में जीत दर्ज की। बेलग्रेड मुक्केबाजी चैंपियन रहे और एलीट राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता हरियाणा के हिमांशु शर्मा (50 किलो) ने मॉरीशस के मथियू एस को 4-1 से हराया। उत्तर प्रदेश के आशीष एम ने 55 किलो वर्ग में मॉरीशस के गुइलॉमी फ्रांसिस को 4-1 से मात दी।

राष्ट्रीय संयुक्त चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता हरियाणा के अनमोल (60 किलो) ने सेशेल्स के डारियो गैब्रियेल को 4-1 से हराया। कार्तिक दलाल (70 किलो) को दक्षिण अफ्रीका के ब्लेसिंग एनजियाना ने 4-1 से शिकस्त दी। एलोरडा कप 2024 के कांस्य पदक विजेता और राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण जीत चुके गौरव चौहान को 90 प्लस वर्ग में सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है।

कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अमेरिका क्वालीफायर के मेजबान ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपना स्थान सुनिश्चित किया, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है।

आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे कनाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद इस छोटे से लक्ष्य को कनाडा के बल्लेबाजों ने सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल लिया गया। कनाडा के बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में भाग लेने के बाद कनाडा क्वालीफायर में आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में पहुंचा।

निकोलस किर्टन की अगुवाई वाली कनाडाई टीम ने बरमूडा के खिलाफ 110 रनों से बड़ी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद केमैन आइलैंड्स के खिलाफ 59 रनों से जीत दर्ज की। फिर अगले मैच में बहामास को 10 विकेट से रौंदा। चौथे मैच में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ आरामदायक जीत दर्ज की। अब अपने पांचवें मैच में लगातार जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। कनाडा अब उन 10 टीमों की सूची में शामिल हो गया है जो 20 टीमों के इस आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही सह-मेजबान भारत और श्रीलंका भी इसमें शामिल हैं।

अन्य क्वालीफाई करने वाली टीमों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं। अब सात टीमें विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने से बची हैं। इनमें यूरोप क्वालीफायर से दो (5-11 जुलाई तक), अफ्रीका क्वालीफायर से दो (19 सितंबर - 4 अक्टूबर) और एशिया-ईएपी क्वालीफायर से तीन (1-17 अक्टूबर) टीमें पुरुष टी 20 विश्व कप में शामिल होंगी।

एफआईएच प्रो लीग:

भारत को बेल्जियम ने 3-6 से हराया

एंटवर्प, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को एंटवर्प में चल रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में बेल्जियम से 3-6 से हार गई। भारत की तरफ से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने गोल दागा। भारतीय टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोल से वापसी की थी। वहीं, अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोल दागकर टीम को मैच में बनाए रखा था।

मैच के आखिरी क्षणों में लगे 3 गोल की वजह से टीम इंडिया को 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। बेल्जियम के लिए आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल दागे। मैच के पहले मिनट के 20 सेकंड में बेल्जियम ने दो पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए। गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया, लेकिन आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। बेल्जियम की तेज शुरुआत की वजह से भारत पिछड़ गया। भारत ने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी। अपनी मजबूत तकनीकी क्षमता से उत्साहित, भारत ने दूसरे क्वार्टर में मुकाबले में अपनी जगह बनाई।

शानदार स्टिक-वर्क के साथ, बेल्जियम के मैन-टू-मैन डिफेंस पर दबाव बनाया और लगातार दो पेनाल्टी कॉर्नर जीते। खेल के दौरान, बेल्जियम ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जब हेंड्रिक्स ने हाफ-टाइम से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार तरीके से की, जिसमें उसने अपना मजबूत इरादा दिखाया। लेकिन, बेल्जियम ने धीरे-धीरे खेल पर फिर से कब्जा कर लिया। भारत को अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में एक घातक झटका लगा, जब रोमन डुवेकोट ने टॉम बून के कुशल रन के बाद करीब से गोल करके पेनाल्टी कॉर्नर के बाद बढ़त हासिल कर ली। अंतिम दस मिनट में खेल काफी रोमांचक रहा और विक्टर फाबर्ट के शानदार रन के बाद बेल्जियम ने फिर से गोल किया, जिससे थिब्यू स्टॉकब्रोक्स को आसानी से गोल करने का मौका मिला। भारत की मुश्किलें तब भी जारी रहीं जब सर्किल के अंदर से आर्थर वान का जबरदस्त शॉट अमित रोहिदास से टकराकर नेट में जा लगा और स्कोर 5-2 हो गया। अमित रोहिदास ने एक महत्वपूर्ण पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की तरफ से तीसरा गोल किया। अंतिम कुछ मिनटों में टॉम बून ने बेल्जियम के लिए छठा गोल करके टीम को बड़ी जीत दिला दी।

आईपीएल करियर में 0 रन बनाने वाले बल्लेबाज ने 12 छक्कों के साथ ठोके 156 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में एक भी रन नहीं और अमेरिका में चल रही एमएलसी में जब उतरा तो 12 छक्कों के साथ 156 रन ठोक डाले. हम बात कर रहे हैं 23 साल के ओपनर मिचेल ओवन की, जिन्होंने मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेली. नतीजा, ये हुआ कि वॉशिंगटन फ्रीडम को वो बेहतरीन शुरुआत मिली, जिसके दम पर आगे बढ़ते हुए उस टीम ने एमएलसी 2025 में अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की. मतलब उसने लगातार तीसरी जीत दर्ज की. मतलब, वाशिंगटन फ्रीडम ने अपना सिर्फ पहला मैच ही गंवाया है.

एमएलसी 2025 में 12 छक्के के साथ ठोके 156 रन

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ वाशिंगटन फ्रीडम की जीत में मिचेल ओवन की अहम भूमिका रही. इस मैच में उन्होंने 230.76 की स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों में 60 रन ठोके, जिसमें 5 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इसी के साथ अब तक खेले 4 मैचों में मिचेल ओवन ने कुल 156 रन एमएलसी 2025 में बनाए हैं, जिसमें 12 छक्के शामिल रहे हैं.

मिचेल ओवन वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर जोड़ा था. पंजाब ने 3 करोड़ रुपये में ये डील की थी. हालांकि, मिचेल ओवन के आईपीएल करियर की शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी.

उन्होंने आईपीएल में डेब्यू तो किया मगर उस मैच में वो खाता नहीं खोल पाए. मिचेल ओवन को बिना कोई रन बनाए ही डगआउट लौटना पड़ा. हालांकि, उस एक इनिंग ही आईपीएल 2025 में उनकी आखिरी इनिंग भी बनी. लेकिन, एमएलसी 2025 में मिचेल ओवन ने आईपीएल 2025 जैसा प्रदर्शन नहीं किया.

बल्कि पारी की शुरुआत करते हुए अपनी टीम के लिए बेजोड़ बुनियाद रख रहे हैं. यही वजह है कि वाशिंगटन फ्रीडम की तीसरी जीत में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.

ग्वालियर-चंबल में हैवी रेन, 17 जिलों में अलर्ट

टीकमगढ़ में 8 इंच से ज्यादा पानी गिरा, भोपाल-इंदौर में भी होगी बारिश

भोपाल । मानसूनी बारिश से पूरा मध्यप्रदेश तरबतर हो गया है। भोपाल में रविवार सुबह कई इलाकों में बारिश हुई। यहां बादल छाए हुए हैं। ग्वालियर और नर्मदापुरम में भी बारिश का दौर जारी है। आज ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग के 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। इंदौर, उज्जैन-जबलपुर में भी पानी गिरेगा। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में 20 से अधिक जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी रहा। टीकमगढ़ में सबसे ज्यादा 8.6 इंच पानी गिर गया। वहीं, सतना में 3.1 डिग्री, सतना में 3.1 डिग्री, दमोह में 2.5 डिग्री, सीधी में 2.1 डिग्री, रतलाम में 1.5 डिग्री, गुना में 1.1 डिग्री और जबलपुर में 1 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

24 घंटे में 8 इंच पानी गिरने की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी और पन्ना में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिर सकता है। भिंड, दतिया, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, सतना, रीवा, मऊगंज में भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में आंधी और बारिश का दौर जारी रहेगा। वहीं प्रदेश के ऊपर से एक लो

प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) गुजर रहा है। वहीं, पश्चिमी हिस्से से टर्फ की एक्टिविटी है। ये दोनों ही सिस्टम स्ट्रॉन्ग है। इस वजह से पूर्वी और उत्तरी हिस्से में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ भी सक्रिय है, जो पूरे प्रदेश में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश करा रहे हैं।

ग्वालियर में 47 डिग्री पार हो चुका टेम्प्रेचर

ग्वालियर में मई के बाद जून भी तेज गर्मी रहती है। 10 साल के आंकड़ों की बात करें तो साल 2019 में अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री तक पहुंच चुका है। वहीं, 2024 में पारा 45.7 डिग्री दर्ज किया गया था। इस महीने अमूमन तापमान 45 से 46 डिग्री ही रहता है। मौसम विभाग के अनुसार, 11 जून 2019 में पारा 47.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। वहीं, 1962 में पूरे महीने साढ़े 28 इंच बारिश हो गई थी। एक दिन में सर्वाधिक साढ़े 7 इंच बारिश का रिकॉर्ड 27 जून 1952 को बना था। साल 2024 में यहां पूरे महीने 5.7 इंच पानी गिरा था।

जबलपुर में 10 साल अच्छी बारिश

मानसून की एंट्री के साथ ही जबलपुर में अच्छी बारिश होती है। यही से मानसून की एंट्री होती है, इसलिए अन्य जिलों की तुलना में जबलपुर में अच्छा पानी गिरता है। साल 2014 से 2023 तक के आंकड़ों पर नजर डाले तो कोटे की 30% तक बारिश हो चुकी है। पिछले साल 10 इंच से ज्यादा पानी गिरा था। इस बार भी जबलपुर के दक्षिण हिस्से से ही मानसून एंटर हो सकता है।

योग तन और मन के लिए संजीवनी है, योग अवश्य करें : राजपूत

भोपाल, नप्र। योग शरीर और मन के लिए संजीवनी है, योग अवश्य करें। व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तो परिवार, समाज और देश स्वस्थ रहेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के साथ ही विदेश में भी योग का परचम लहराया है। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीटीसी ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि 25 से 30 मिनट योग कर ले तो शरीर प्रफुल्लित हो जाता है। दिन रात की भाग दौड़ के बीच हमें 30 मिनट योग अवश्य करना चाहिए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि योग के लिए कोई संसाधन की आवश्यकता नहीं होती एक चादर पर योग किया जा सकता है। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग अति आवश्यक है। योग करें स्वस्थ रहें, योग से न केवल मन शरीर स्वस्थ होता है बल्कि मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में योग के प्रति जो कार्य किया है इसे पूरा विश्व योग के प्रति जागरूक हुआ है। विधायक श्री शैलेंद्र जैन ने कहा कि सागर को गौर नगरी के साथ योग नगरी बनाने के लिए हमें आज संकल्प लेना होगा। जब हम सभी योग करेंगे तो हमारा सागर स्वस्थ सागर बनेगा। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं और नागरिक मौजूद थे।

जनजातीय संग्रहालय में दो देशों के संगीत का संगम

विश्व संगीत दिवस पर फ्रेंच सिंगर डेविड वाल्टर्स ने किया परफॉर्म

भोपाल, नप्र। संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह आत्मा की वह अभिव्यक्ति है जो बिना शब्दों के भी दिल को छू जाती है। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर शनिवार शाम मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जहां भारतीय शास्त्रीयता और फ्रेंच कैरेबियाई ऊर्जा ने सुरों के माध्यम से श्रोताओं को एक सुरीली अनुभूति दी। मप्र शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित संगीत संध्या में दो बेहतरीन प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर संस्कृति संचालक एन.पी. नामदेव, उप-संचालक डॉ. पूजा शुक्ला, संग्रहाध्यक्ष अशोक मिश्रा, आलियांज फ्रांसिस की निदेशक इनग्रीड ल गार्गासोन, उप-निदेशक रीता गोहाडे और अध्यक्ष अखिलेश वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डेविड वाल्टर्स ने इंडो-फ्रेंच म्यूजिक का प्रदर्शन : पहली प्रस्तुति सुप्रसिद्ध फ्रांसीसी-कैरेबियाई संगीतकार डेविड वाल्टर्स और उनके बैंड की रही, जिन्होंने अपने नए एल्बम 'सोल ट्रॉपिकल' के गीतों को प्रस्तुत कर माहौल में जोश भर दिया। 'ला वी अ बेल', 'जोडीया', 'डी यो', 'गिम्मे लव', 'नाइट इन माडिनिना', 'डोंट यू' जैसे गीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

उनकी टीम में ड्रम्स पर एंडी लॉइक बेराल्ड काटेलो और की-बोर्ड पर जेवियर यान बेलिन ने उनका साथ निभाया। करीब डेढ़ घंटे चली इस प्रस्तुति के दौरान वाल्टर्स ने अपनी कैरेबियाई विरासत, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक धुनों और भारतीय संगीत की आत्मा को एक साथ पिरोया।

डॉ. रीता देव ने वर्षा ऋतु को सुरों में सजाया : दूसरी प्रस्तुति में पद्मविभूषण विदुषी डॉ. गिरिजा देवी की शिष्या डॉ. रीता देव ने राग मेघ मल्हार में विलंबित एक ताल की बंदिश 'जिया मोरा डर लागे...' से शुरुआत की। फिर द्रुत तीन ताल में 'गगन गरज चमकत दामिनी...' गाकर श्रोताओं को मानसून की अनुभूति करा दी।

इसके बाद उन्होंने राग मिश्र तिलक कामोद में ठुमरी 'अबकी सावन घर आजा...' प्रस्तुत की और कजरी 'घिर घिर आई सावन की बदरिया...' के साथ संध्या को विराम दिया। तबले पर हितेंद्र दीक्षित, हारमोनियम पर रचना शर्मा, तानपुरे पर आभा जैन और भारती सोनी ने सधी संगत से गायन को समृद्ध किया।

लोक निर्माण विभाग द्वारा 1 जुलाई को, एक लाख पौधों का किया जाएगा रोपण

- जल संरक्षण के लिए 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित
- प्रदेश में 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण, तीन कार्य असंतोषजनक पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश

भोपाल, नप्र। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा औचक निरीक्षण की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस योजना के अंतर्गत हर माह दो दिन रेंडमली चयनित कार्यों का औचक निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण किया जाएगा। इसी क्रम में मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा बैतूल, बालाघाट, श्योपुर, बुरहानपुर, अनूपपुर, मंदसौर एवं दमोह जिलों में 35 कार्यों का निरीक्षण किया गया। इनमें 14 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 11 कार्य पी.आई.यू. (भवन), 06 कार्य म.प्र. सड़क विकास निगम, 03 कार्य म.प्र. भवन विकास निगम एवं 01 कार्य एन.एच. का सम्मिलित रहा। मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रमुख अभियंता (बी एण्ड आर) श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल, प्रमुख अभियंता (भवन विकास निगम) श्री अनिल श्रीवास्तव, तकनीकी सलाहकार श्री आर.के. मेहरा, उपसचिव श्री ए.आर. सिंह सहित समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा में बालाघाट जिले के कुटुंब न्यायालय भवन कार्य को बहुत अच्छा पाया गया, जिसके लिए कार्यपालन यंत्री श्री उदल सिंह उईके, अनुविभागीय अधिकारी श्री आनंद राव बनसोर एवं उपयंत्री श्रीमती ममता धुर्वे की सराहना की गई। श्योपुर जिले में करहल-सरई-बरगवां मार्ग के कार्य को उत्कृष्ट पाए जाने पर कार्यपालन यंत्री श्री विष्णु अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री अंजली प्रजापति एवं उपयंत्री श्री एम.सी. दंडोतिया की प्रशंसा की गई। अनूपपुर जिले में अनूपपुर-दर्री खेरखा मार्ग का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया, जिस पर ठेकेदार मैसर्स गावर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, गुरुग्राम के विरुद्ध कार्रवाई के लिये निर्देशित किया गया। बुरहानपुर जिले में सिवाल-केरपानी-अमूल्ला परेठा मार्ग में कार्य विलंब पाए जाने पर मैसर्स के.जी. गुप्ता इन्फ्रास्ट्रक्चर, इंदौर तथा अनूपपुर जिले में कमरोद-चटुआ-टंकीटोला मार्ग के कार्य पर मैसर्स सिद्धि विनायक बिल्डर्स एंड सप्लायर्स, शहडोल के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश संबंधित मुख्य अभियंता को दिए गए।

मंत्री श्री राकेश सिंह ने 01 जुलाई को एक लाख पौधों का रोपण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने पौधों की सुरक्षा, रखरखाव एवं जियोटैग फोटोग्राफ्स अपलोड करने के निर्देश भी दिए। प्रधानमंत्री एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सभी अधिकारी अपने परिवार सहित भागीदारी करें। सड़क निर्माण के साथ जल संरक्षण को प्रोत्साहित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इनमें से 20 सरोवरों का निरीक्षण स्वयं मंत्री करेंगे जबकि 10-10 सरोवरों का निरीक्षण मुख्य अभियंता करेंगे। 08, 09 एवं 10 जून 2025 को चलाए गए निरीक्षण अभियान में चिन्हित सड़कों की शीघ्र मरम्मत के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही, सभी अभियंताओं को लोक पथ मोबाइल ऐप में पॉट होल्स एवं सुधार कार्य की जानकारी दर्ज करने के निर्देश भी जारी किए गए।

अब तक नहीं खुला शासन का पोर्टल : 10 हॉर्स पावर वाले सोलर पंप के बाद किसान कर रहे हैं बाकी का इंतजार

भोपाल, नप्र। मप्र में किसानों को सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा आधारित पंपों की सुविधा देने की दिशा में सरकार ने अप्रैल में बड़ा कदम उठाया था। 10 हॉर्स पावर की श्रेणी में सोलर पंप पर 90त तक की सब्सिडी देने के साथ पोर्टल ओपन किया गया, जिससे बड़ी संख्या में किसानों ने आवेदन किया। इस योजना में 60% सब्सिडी केंद्र और 30त प्रदेश सरकार द्वारा दी जाती है, जबकि किसानों को केवल 10% अंशदान करना होता है। लेकिन इसके बाद से ही 3, 5 और 7 हॉर्स पावर के पंपों की श्रेणियों में कोई अपडेट नहीं आया है। शासन का पोर्टल अब तक नहीं खुला है, जिससे छोटे और मध्यम किसान वर्ग में निराशा है। **किसान बोले : जल्द खुले पोर्टल** –खेत तैयार हैं, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं है। यदि समय पर सोलर पंप नहीं मिला तो खरीफ फसल प्रभावित हो सकती है। सरकार जल्द से जल्द 3, 5 और 7 एचपी श्रेणियों के लिए भी पोर्टल खोले।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में पाठ्यक्रम एवं पुस्तक लेखन, निरंतर चलने वाली प्रक्रिया : परमार

मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी का 55वाँ स्थापना दिवस समारोह संपन्न

भोपाल, नप्र। । मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला देश भर में अग्रणी राज्य है। प्रदेश में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में हो रहा द्रुत गति से क्रियान्वयन, देश भर में चर्चा का विषय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा को लेकर हो रहे तेज गति से क्रियान्वयन से, मप्र उदाहरण के रूप में स्थापित हो रहा है। देश के अन्य राज्यों के लिए, हमारी कार्यशैली अभिप्रेरक बनें, इस आशय के साथ हमें सावधानीपूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में, तीव्र गति के साथ क्रियान्वयन करते हुए आगामी लक्ष्यों के निर्धारण में, मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी का योगदान अनुकरणीय है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शनिवार को भोपाल स्थित होटल पलाश में, मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के 55वें स्थापना दिवस समारोह में सहभागिता कर कही। श्री परमार ने अकादमी परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी प्रेषित की। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में पाठ्यक्रम एवं पुस्तक लेखन की प्रक्रिया, निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस लक्ष्य की ओर बढ़ने में, मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी लगातार क्रियाशील है। विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं मितव्ययी पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए, बाजार में भी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तकें उपलब्ध कराने की आवश्यकता है; इससे शिक्षा के व्यापारीकरण पर लगाम लग सकेगी। श्री परमार ने अकादमी के लेखकों को लेखन में सावधानी बरतते हुए, व्यापक लक्ष्य की प्राप्ति की ओर बढ़ने की बात कही।

पुराने जल स्रोतों को संवारना और पौधे लगाना जरूरी तभी आगामी पीढ़ी के लिए होगा पर्याप्त जल : पटेल

- सिंध एवं सगड़ नदी के उद्गम स्थल पर की पूजन अर्चना
- विदिशा जिले के लटेरी में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए

भोपाल, नप्र। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल शनिवार को विदिशा जिले की लटेरी तहसील के गोपीतलई में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सिंध एवं सगड़ नदी के उद्गम स्थल पर पूजन अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया।

मंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने ने जल स्रोतों को संवारने व उनके जीर्णोद्धार और पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से इस वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान की क्रियान्वयन अवधि 3 माह तक संचालित की है जो जल संरक्षण की दिशा में प्रशंसनीय है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस वर्ष मैने प्रदेश के कुल 79 उद्गम स्थलों का निरीक्षण किया है। जल स्रोतों को संवारने व पानी की उपलब्धता आगामी पीढ़ी को सुनिश्चित हो उसके लिए आज हमें जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पुराने जल स्रोतों को संवारने, पुनर्जीवन और नए निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे आगामी पीढ़ी को पर्याप्त मात्रा में जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने कहा कि जल स्रोतों की चिंता करनी होगी साथ-साथ उन्हें जिंदा रखना हमारी जिम्मेदारी होगी। पिछले कुछ सालों में ग्रामीण क्षेत्रों में जो जल स्रोत थे वह समाप्त हुए हैं उसकी क्या वजह रही है उसे जानने की आवश्यकता है और उन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता भी है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का सिद्धांत है कि नए स्रोत तैयार करें और पुराने जल स्रोतों को भी संवारें। वर्तमान की स्थिति में धरती का जल स्तर नीचे जा रहा है इसलिए हमें जल स्रोतों को संवारना होगा। उन्होंने कहा कि बड़ी नदियां तब बनेगी जब हम छोटी नदियों को बारहमासी बनाएंगे। साथ ही उन्होंने पौधारोपण पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें जल संरक्षण के साथ पौधे लगाने की भी आवश्यकता है इसलिए हमें पौधे लगाना तो है साथ ही उन्हें वट वृक्ष बन बनने तक संरक्षण का कार्य भी करना है। हम पांच सात वर्षों तक निरंतर इसी प्रकार से कार्य करेंगे तो निश्चित तौर पर जल स्रोतों को तैयार कर सकेंगे और हमारी आगामी पीढ़ी को पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा और आने वाले वर्षों में जल संकट जैसी स्थिति निर्मित नहीं होगी।

मंत्री श्री पटेल ने जल संरक्षण की दिशा में बासौदा की पाराशरी नदी के लिए किये जा रहे कार्यों का भी जिक्र किया उन्होंने कहा कि पाराशरी नदी में 5 किलोमीटर तक का कार्य किया जा रहा है, जो क्षेत्र के लिए बड़े स्तर पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक बंधु मौजूद रहे।

स्कूल शिक्षा विभाग जुर्माना लगाने की तैयारी में, मप्र के 8 हजार स्कूलों ने अभी तक नहीं दी फीस की जानकारी

भोपाल । मप्र में आदेश जारी होने के बाद भी करीब 8 हजार निजी स्कूलों ने फीस संबंधी जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं की है। अब स्कूल शिक्षा विभाग इन पर जुर्माना लगाने की तैयारी कर रहा है। यानी यदि किसी स्कूल का पंजीयन शुल्क 1 हजार है, तो उस पर 5 हजार और 5 हजार पंजीयन शुल्क है तो उससे 25 हजार रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। इसके लिए लोक शिक्षण संचालनालय की तरफ से एनआईसी से जानकारी मांगी गई है कि कौनङ्ककौन से स्कूल हैं, जिन्होंने अब तक फीस की जानकारी अपलोड नहीं की है। इनकी जानकारी मिलते ही, इन सभी को नोटिस जारी होंगे। बता दें कि मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित फीस संरचना (कक्षा एवं संवर्गवार) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड

करना अनिवार्य किया गया है। लेकिन इनमें से 25 हजार रुपए से कम वार्षिक फीस वसूलने वाले निजी स्कूलों को अब स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं होगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने करीब दो महीने पहले निर्देश जारी कर दिए थे।

मप्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की भर्ती

19500 पद खाली, 10 दिन में करें आवेदन; जानिए किस संभाग में कितनी वैकेंसी

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग इसी साल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के 19,500 पदों पर भर्ती कर रहा है। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 2,027 और सहायिका के 17,477 पद शामिल हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इन पदों पर भर्ती के लिए 10 दिन के भीतर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक आवेदकों को एमपी ऑनलाइन द्वारा तैयार किए गए चयन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यवेक्षकों के पद पर नवचयनित 650 प्रतिभागियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों, किसान, गरीब, युवा, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 11 हजार 400 पदों पर कर्मचारियों का चयन किया गया है। इनमें से 4000 पदों पर पात्र उम्मीदवारों के चयन के बाद इनकी पोस्टिंग की प्रक्रिया भी हो चुकी है। शेष 7400 पदों के लिए यह प्रक्रिया अंतिम स्तर पर जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 3756 पदों पर भी पोस्टिंग की जा चुकी है।

त्री निर्मला भूरिया के गृह जिले में सबसे ज्यादा पद : महिला और बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया के गृह जिले झाबुआ में आंगनबाड़ी सहायिका के सबसे अधिक 890 पद रिक्त हैं। इसके बाद 839 पद

अलीराजपुर में खाली हैं। जिस पर महिलाओं को नियुक्ति दी जाएगी। इसी तरह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के सबसे अधिक पद 95 पद शिवपुरी जिले में और 66 पद सागर जिले में हैं।

इन शर्तों के आधार पर ही आवेदन : विभाग द्वारा कहा गया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए आवेदन करने वाले के पास हायर सेकेंडरी की शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य है।

आवेदन सिर्फ ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। ऑफलाइन आवेदन मंजूर नहीं किए जाएंगे।

विभाग के संचालनालय, संयुक्त संचालक कार्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय, बाल विकास परियोजना अधिकार कार्यालय में कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वक्फ का आरोप- कांग्रेस नेता कब्रिस्तान पर गोशाला बना रहे

भोपाल में बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा से भूमिपूजन कराया; केयरटेकर ने कहा- हाईकोर्ट जाएंगे

भोपाल, नप्र। भोपाल में कोलार क्षेत्र के अकबरपुर बंजारी में कब्रिस्तान की जमीन पर गोशाला बनाई जा रही है। कब्रिस्तान के केयरटेकर शेख मतीन ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि इस जमीन पर वक्फ बोर्ड का रजिस्टर्ड कब्रिस्तान की है, जिस पर कांग्रेस नेता अश्विनी श्रीवास्तव कब्जा कर गोशाला बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

केयरटेकर शेख मतीन का कहना है कि 21 जून की शाम को बड़ी संख्या में लोग कब्रिस्तान परिसर में पहुंचे और टेंट लगाना शुरू कर दिया। जानकारी मिलने पर उन्होंने कोलार थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। खास बात ये है कि रविवार सुबह कांग्रेस नेता अश्विनी श्रीवास्तव ने गोशाला का भूमिपूजन हुजूर से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा से कराया।

वक्फ बोर्ड का सूचना बोर्ड अज्ञात लोगों ने उखाड़ा-शेख मतीन ने अपनी शिकायत में बताया कि यह जमीन जिला खसरा नंबर 112 के तहत आती है, जो वक्फ बोर्ड की संपत्ति के रूप में पंजीकृत है। वक्फ बोर्ड रजिस्ट्रेशन क्रमांक-766 के अनुसार, यह जगह एक मान्यता प्राप्त कब्रिस्तान है और मध्यप्रदेश शासन के गजट नोटिफिकेशन में भी इसका जिक्र है।

शिकायत में केयरटेकर ने कांग्रेस नेताओं अश्विनी श्रीवास्तव और राम यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने मिलकर कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर गोशाला निर्माण के लिए भूमिपूजन कराया।

विधायक रामेश्वर शर्मा बोले- ये गंगा जमुनी तहजीब : भूमिपूजन में पहुंचे बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- कांग्रेस नेता अश्विनी श्रीवास्तव मेरे पास आए थे और उन्होंने कहा कि उन्हें यह जमीन अलॉट हुई है। वे यहां निःशुल्क गोशाला बनाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि यह काम पूरी तरह सेवा भाव से प्रेरित है। मुझे लगा कि यह पुण्य का काम है, इसलिए मैं भूमिपूजन में शामिल हुआ। इसमें कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है।

वक्फ अध्यक्ष बोले- रिकॉर्ड देखकर प्रशासन से बात करेंगे : मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के चेयरमैन सनवर पटेल ने कहा कि हमें इस मामले की जानकारी मिली है। हम अपने रिकॉर्ड को देखकर प्रशासन से बात करेंगे।

पुलिस बोली- शिकायत आई थी, जांच कर रहे : इस मामले में कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने कहा कि कल हमारे पास इस तरह की शिकायत आई थी। हमने आवेदन को तुरंत ही तहसील कार्यालय भिजवा दिया है, वहां से जवाब आने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकेगा।

मुस्लिम समाज की हाईकोर्ट जाने की चेतावनी : ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कब्रिस्तान की जमीन पर इस तरह के निर्माण से मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा- यह जमीन धार्मिक स्थल के रूप में गजट में दर्ज है। अगर प्रशासन ने इस पर तुरंत रोक नहीं लगाई तो हम हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे। यह एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत है।

स्वत्ताधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576